UPHIN/2011/39718

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

यंग भारत
वेब न्यूज

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाजवाद लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ लखनऊ

वर्ष-14 अंक-137 | कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में | उरई (जालौन) बुधवार 29 अप्रैल 2026 | youngbharatE-paper.com

यूपी पुलिस में एक लाख नई भर्तियां, योगी बोले- काबिलियत है तो कोई नहीं रोक सकता

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश की पुलिस अब और मजबूत होने वाली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐलान किया है कि इस साल प्रदेश में एक लाख नई पुलिस भर्तियां होंगी। होमगार्ड से लेकर दरोगा तक सभी पदों पर बहाली की जाएगी।

यह ऐलान उस मौके पर हुआ जब सीएम ने 936 नवनियुक्त रेडियो ऑपरेटरों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष रहेगी। न सिफारिश चलेगी, न लेनदेन। जिसमें दम है वही आगे बढ़ेगा। नौ साल में दो लाख बीस हजार भर्तियांयोगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले नौ सालों में दो लाख बीस हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों की भर्ती बिना किसी भेदभाव के की गई है। यह अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि देश के कई राज्यों की कुल पुलिस संख्या भी इतनी नहीं है जितनी अकेले उत्तर प्रदेश में पिछले नौ सालों में भर्ती की गई है। इसके अलावा पांच सौ से ज्यादा कुशल खिलाड़ियों को भी पुलिस बल में जगह दी गई है जिसका नतीजा यह है कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का प्रदर्शन पहले से काफी बेहतर हुआ है।पहले तीन हजार की क्षमता, अब साठ

हजार एक साथ ट्रेनिंगसीएम ने बताया कि नौ साल पहले हालात यह थे कि एक बार में सिर्फ तीन हजार पुलिसकर्मियों को ही ट्रेनिंग दी जा सकती थी। यह एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन अब तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। साल 2025 में साठ हजार दो सौ चौवालीस सिपाहियों की भर्ती हुई और सभी को उत्तर प्रदेश में ही एक साथ प्रशिक्षण दिया गया। योगी ने कहा कि यह इस बात का सबूत है कि अगर नीयत साफ हो और नीति स्पष्ट हो तो बड़े से बड़ा काम किया जा सकता है।मॉडल थाने, हाईराइज बैरक और महिला बटालियनसीएम ने बताया कि पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रदेश में बड़े पैमाने पर काम हुआ है। पहले कई जिलों में पुलिस लाइन तक नहीं थी। थानों के पास अपने भवन नहीं थे। लेकिन अब हाईराइज बैरक बन रहे हैं, मॉडल थाने तैयार हो रहे हैं और नए फायर स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं। एसएसएफ और एसडीआरएफ जैसे बल गठित किए गए हैं और महिला पुलिस की नई बटालियन भी तैयार की गई है।कानून व्यवस्था मजबूत तो निवेश अपने आप आता हैयोगी आदित्यनाथ ने कहा कि कानून का मजबूत राज ही असली विकास की नींव होता है। जब प्रदेश में कानून व्यवस्था दुरुस्त हुई तो निवेशकों का भरोसा भी बढ़ा। आज बड़े बड़े निवेशक उत्तर प्रदेश की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों से अपील की कि वे खुद को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से मजबूत रखें क्योंकि एक फिट और सतर्क पुलिस बल ही समाज की सही मायनों में रक्षा कर सकता है।काबिलियत से मिलती है नौकरी, सिफारिश का जमाना गयासीएम ने कहा कि एक वक्त था जब भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और भेदभाव की शिकायतें आम थीं। लेकिन अब वह दौर बीत चुका है। आज जिसमें क्षमता है उसे आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे मेहनत और ईमानदारी पर भरोसा रखें। विकसित भारत का सपना तभी पूरा होगा जब हर नागरिक अपना काम पूरी निष्ठा और लगन से करेगा।वित्त मंत्री ने कविता सुनाकर बांधा समांकार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने भी नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित किया। उन्होंने एक प्रेरणादायक कविता सुनाई और कहा कि पुलिस की वर्दी सिर्फ नौकरी नहीं बल्कि समाज में सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से किया गया काम न सिर्फ खुद को संतोष देता है बल्कि पूरे समाज को प्रेरित करता है। जो धन गलत तरीके से कमाया जाता है वह कभी सुकून नहीं देता। उन्होंने सभी से संकल्प लेने की अपील की कि वे अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करेंगे।

कानपुर में सामूहिक आत्महत्याः मां ने दो बेटियों के साथ खाया जहर

तीनों की मौत, तलाक और तन्हाई ने ली जान

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर। प्रदेश के कानपुर जिले के महाराजपुर क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। नजफगढ़ गांव में मायके में रह रही एक महिला ने अपनी दो मासूम बेटियों के साथ जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली।

तीन साल पहले पंचायत के जरिए हुए तलाक के बाद वह आर्थिक और मानसिक तनाव से गुजर रही थी। महाराजपुर थाना क्षेत्र के नजफगढ़ गांव में मायके में रह रही महिला ने मंगलवार सुबह अपनी दो बेटियों के साथ जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर स्वजन तीनों को सरसौल सीएचसी ले गए। एक घंटे बाद एंबुलेंस मिलने पर वह तीनों को लेकर एलएलआर अस्पताल पहुंचे जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला पांच साल से अपने मायके में रह रही थी और तीन साल पहले गांव में पंचायत के बाद उसका तलाक हो गया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है महाराजपुर के नजफगढ़ गांव निवासी रामपाल गुजरात में मजदूरी करते हैं। परिवार में पत्नी शांति देवी तीन बेटे प्रताप, धर्मेंद्र, जितेंद्र और 35 वर्षीय बेटी चांदनी थी। बड़े भाई धर्मेंद्र ने बताया कि करीब 12 साल पहले चांदनी की शादी मैनपुरी जनपद के करहल नगला सीताराम निवासी राकेश से हुई थी। जिससे उनकी दो बेटियां 7 वर्षीय पायल और पांच वर्षीय ब्यूटी थी। धर्मेंद्र ने बताया कि बहनोई राकेश नशे का लकी था और आए दिन चांदनी को मारता पिता था जिसके चलते पांच साल पहले वह मायके में आकर रहने लगी थी। जहां तीन साल पहले ग्राम प्रधान व गांव के लोगों के सामने पंचायत में दोनों के बीच तलाक हो गया था। मंगलवार सुबह चांदनी में दोनों बच्चों को जहरीला पदार्थ खिलाने के बाद खुद भी खा लिया। हालत बिगड़ने पर भाई धर्मेंद्र और जितेंद्र वैन से उसे लेकर सरसौल सीएचसी पहुंचे। जहां डाक्टरों ने तीनों को एलएलआर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। स्वजन के साथ ही डाक्टर के कई बार काल करने के बावजूद एंबुलेंस नहीं मिली। करीब एक घंटे बाद एंबुलेंस मिलने पर स्वजन उन्हें लेकर एलएलआर अस्पताल पहुंचे जहां डाक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पाकर डीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता फोर्स के साथ पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और मृतक के स्वजन से बातचीत की। महिला ने अपने दोनों बेटियों के साथ जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की है, फिलहाल स्वजन की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। मामले की जांच की जा रही है अगर कोई तहरीर मिलती है तो रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

- सत्यजीत गुप्ता, डीसीपी पूर्वी

सुर्खियां............

भीषण गर्मी को देखते हुए गैस एजेंसियों पर छाया व पानी की व्यवस्था कराए जाने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। भीषण गर्मी को देखते हुए गैस एजेंसियों पर छाया व पानी की व्यवस्था कराए जाने की मांग नगर के लोगों ने डीएम से की है। नगर निवासी प्रद्युम्न दीक्षित, मोहम्मद अशफाक राईन, जाकिर सिद्दीकी, मौलाना खालिद रहमानी आदि ने डीएम राजेश पांडेय को शिकायती पत्र भेजकर लिखा कि इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। सुबह से ही लपट चलने लगती है और तापमान बढ़ने लगता है। नगर में दो गैस एजेंसियों का संचालन हो रहा है।

बैठक कर किसानों की समस्याओ पर किया विचार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला कमेटी की बैठक मोहल्ला हरीपुरा में सौरभ सिंह के आवास पर जिला प्रवक्ता कामरेड कमलेश कुमार आचार्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला सचिव विनोद नगरिया ने किसानों, बटाईदारों और बलकट पर खेत जोतने वाले किसान जिनकी फसलें ओलावृष्टि से प्रभावित हुई हैं, कम से कम 60000 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से मुआवाजा दिए जाने की मांग की। इससे लिए पहले फसलों के नुकसान और किसानों की श्रेणी का सर्वे कराने की भी मांग की गई। साथ ही मांग की गई कि मुआवजा खेत जोतने वाले किसान को दिया जाए क्योंकि नुकसान उनका ही होता है।

गौमाता को 'राष्ट्र माता' घोषित करने की मांग तेज

(यंग भारत न्यूज)

उरई कार्यालय (जालौन), अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के कार्यकर्ताओं ने गौमाता को 'राष्ट्र माता' घोषित करने की मांग को लेकर सोमवार को तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी राकेश सोनी को सौंपा गया। कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन में कहा कि देश में गौवंश को उचित सम्मान और संरक्षण मिलना चाहिए।

सिंबल हमारा-कैंडिडेट तुम्हारा', फॉर्मूले से कांग्रेस संग सीटें बांटेंगे अखिलेश यादव

(यंग भारत न्यूज)

मेरठः शुगर बाउल वेस्ट यूपी में गठबंधन में कड़वाहट न आए इसके लिए मिशन फतह 2027 के लिए समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव खुद के संगठन और सहयोगी दलों को खासकर कांग्रेस को संदेश दे रहे हैं कि बीजेपी को सत्ता से हटाने के लिए सीट और सिंबल सेकेंड बात है। विक्ट्री (जीत) को फर्स्ट रखना होगा।

समझाया जा रहा है कि जिस तरह 2024 के लोकसभा चुनाव में सत्ताधारी बीजेपी को सपा-कांग्रेस की एकजुटता के बल पर और ठोस रणनीति से पटकनी दी थी, उसी प्लान को 2027 में भी बरकरार रखना होगा। कौन कैंडिडेट कहां से जीत सकता है, इस पर फोकस किया जाए, किस दल से उसका ताल्लुक है, ये बाद में तय हो जाएगा। कुछ सीटों पर सिंबल हमारा-कैंडिडेट तुम्हारा या सिंबल तुम्हारा-कैंडिडेट हमारा के पैटर्न को लागू कर सत्ता से सूखे को समाप्त किया जाए।

वेस्ट यूपी से होकर गुजरती है यूपी की सत्ता की राह

माना जाता है कि यूपी में सियासी माहौल वेस्ट यूपी बनाता है। यूपी की सत्ता की राह यहीं से होकर गुजरती है, तभी ज्यादातर दल अपने चुनावी अभियान की शुरुआत वेस्ट यूपी से ही करते हैं। एक तरह से सपा और भाजपा 2027 के चुनावी रण का बिगुल यहां फूंक चुकी हैं। बीजेपी ने वेस्ट यूपी के जरिए ही सत्ता की सीढ़ी चढ़ने में कामयाबी हासिल की थी। 2014 और 2019 का लोकसभा चुनाव हो या फिर 2017 और 2022 का विधानसभा चुनाव वेस्ट यूपी में बीजेपी का पलड़ा भारी रहा था। 2024 में वेस्ट यूपी में बीजेपी को झटका लगा था। भगवा टीम को सियासी नुकसान हुआ था। कई सीटें सपा कांग्रेस गठबंधन से छीन ली थीं।

2024 में बनाई पिच पर 2027 में भी बैटिंग की तैयारी

सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी यूपी में बीजेपी को हराने के लिए कई गठबंधन कर प्रयोग कर चुके हैं, लेकिन उन्हें सफलता 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ हाथ मिलाकर हुई है। सपा मुखिया अब उसी फार्मूले पर 2027 के चुनाव लड़ने की प्लानिंग पर आगे बढ़ रही है। सपा मुखिया मीडिया से कई बार इस बारे में साफ कर चुके हैं कि हमारे लिए सीटों की संख्या का मुद्दा नहीं है। मुद्दा चुनाव जीतने की क्षमता का है, जो जीत सकते हैं, उन्हें ही टिकट मिलेगा। गठबंधन के साथियों से सीट की संख्या के बजाय चुनाव जीतने वाले चेहरे की बात अहम रहेगी। 2024 में भी अखिलेश यादव ने इसी फार्मूले पर कांग्रेस के साथ सीट बंटवारा और कैंडिडेट का सिलेक्शन किया था।

क्या बोले सपाई

सपा के पूर्व प्रदेश सचिव चौधरी दिनेश सिंह गुर्जर का कहना है कि 2027 में 2024 का प्लान चुनाव में लागू रखने को पार्टी की तरफ से संकेत हैं। उसी के मुताबिक, पीडीए को साथ लेकर आगे बढ़ा जा रहा है। सपा-कांग्रेस की सरकार इसी आधार पर 2027 में बनेगी। पूर्व मंत्री चौधरी राजपाल सिंह का कहना है कि जब सियासी दोस्ती होती है, फिर सिंबल हमारा कैंडिडेट तुम्हारा नहीं देखा जाता, बल्कि कायमाब चेहरे को आगे लाकर जीत देखी जाती है। इस बार इंडिया गठबंधन मजबूती से बिना विवाद के चुनाव मैदान में उतर कर जीत हासिल करेगा।

ए डी जी कानून व्यवस्था एवं एसटीएफ अमिताभ यश के पिता का निधन

अमिताभ यश जालौन जनपद के भी एसपी रह चुके हैं तथा प्रदेश के बड़े माफियाओं और धुरंदर बदमाशों का एनकाउंटर करने में सिद्धहस्त हैं

(प्रधान सम्पादक
संजय श्रीवास्तव)

लखनऊः उत्तर प्रदेश के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर और एसटीएफ चीफ अमिताभ यश के पिता पूर्व आईपीएस रामयश सिंह का सोमवार को निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। पूर्व आईपीएस अधिकारी रामयश सिंह सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे लखनऊ स्थित आवास पर अचानक बेहोश हो गए। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर के प्रयासों के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। अस्पताल में उन्होंने दोपहर 12 बजे आखिरी सांस ली। परिवार में उनकी पत्नी गीता, एक बेटी और चार बेटे हैं। मंगलवार को सुबह 10 बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

रिटायर्ड डीआईजी थे स्व. रामयश सिंह

श्री यश को पितृशोक के अवसर पर जनपद जालौन में भी उनके अभिन्न लोगों में शोक की लहर

कौन थे रामयश सिंह?

रामयश सिंह 1985 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। उन्होंने बिहार कैडर में अपनी सेवा दी। आईपीएस अधिकारी बनने के बाद रामयश सिंह ने लगातार कानून के अनुपालन को लेकर काम किया। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, जहानाबाद आदि जिलों में बतौर पुलिस कप्तान उन्होंने बेहतरीन कार्य किया। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून व्यवस्था को लागू करने वाले कठोर पुलिस अधिकारी के रूप में जाना जाता था। उनका जन्म बिहार के आरा में हुआ था। आरा के जैन कॉलेज से उन्होंने बीएससी की डिग्री हासिल की थी।

कानून की करते रहे सेवा

कानून व्यवस्था को जमीन पर लागू कराने वाले सफल अधिकारी के तौर रामयश सिंह ने अपने पुलिसिंग करियर का समापन किया। वे डीआईजी पद से रिटायर हुए। इसके बाद उन्होंने कानून के क्षेत्र में हाथ आजमाया। रामयश सिंह ने पटना हाई कोर्ट के वकील के तौर पर अपनी सेवा देनी शुरू की। लोगों के लिए इंसाफ की लड़ाई लड़ने लगे। पटना हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील के रूप में काम कर रहे थे। कानूनी पैरवी और न्याय दिलाने के लिए वे हमेशा खड़े रहे। इसके जरिए उन्होंने जनसेवा में अपना योगदान जारी रखा। कानून प्रवर्तन और न्यायपालिका दोनों क्षेत्रों में उन्होंने अपने कार्यों से हमेशा परिवार को ईमानदारी के मार्ग पर चलने की सीख दी।

अमिताभ यश कड़क अधिकारी

रामयश सिंह के परिवार में 11 अप्रैल को 1971 को अमिताभ यश का जन्म हुआ था। पिता की वर्दी देख उन्होंने भी इसे पहनने का तय किया। पटना, दिल्ली और कानपुर से पढ़ाई करने के बाद उन्होंने यूपीएससी क्रैक किया। 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी बने। शुरुआती दिनों से ही कड़क अधिकारी के तौर पर उनकी छवि बनी। मायावती ने सीएम बनने के बाद वर्ष 2007 में उन्हें एसटीएफ में एसएसपी बनाया। उन्होंने चंबल के बीहड़ों में दहशत का पर्याय माने जाने वाले ददुआ डकैत का एनकाउंटर किया। इसके बाद सिलसिला थमा नहीं। अमिताभ यश को योगी सरकार में बड़ी जिम्मेदारी मिली। वर्ष 2017 में उन्हें एसटीएफ का आईजी बनाया गया। 2021 में वे एसटीएफ के एडीजी और एडीजी लॉ एंड ऑर्डर बनाए गए। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ के पसंदीदा पुलिस अधिकारियों में उनकी गिनती होती है।

'राष्ट्रीय गौरव सम्मान समारोह' आयोजन किया

सिद्दीकी समाज से जुड़े डॉक्टरों को सम्मानित किया गया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। देश की राजधानी में जमात ए सिद्दीकी ऑफ इंडिया द्वारा 'राष्ट्रीय गौरव सम्मान समारोह' आयोजन किया गया। जिसमें सिद्दीकी समाज से जुड़े डॉक्टरों को सम्मानित किया गया। आयोजन के दौरान जिले में संगठन को मजबूती देने के मौलाना खालिद रहमानी को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय गौरव सम्मान समारोह में जमात ए सिद्दीकी ऑफ इंडिया ने संगठनात्मक मजबूती के लिए मौलाना हकीम खालिद रहमानी को जालौन का जिलाध्यक्ष घोषित किया। संगठन ने उनकी सक्रियता और समाज के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए उन्हें यह दायित्व सौंपा है। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मौलाना हकीम खालिद रहमानी ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने भविष्य की रणनीति साझा करते हुए कहा कि आज के दौर में समाज की सबसे बड़ी जरूरत बेहतर शिक्षा और आपसी एकजुटता है। उनका लक्ष्य जिले में संगठन के माध्यम से युवाओं के लिए तरक्की के नए रास्ते खोलना और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे बहुत जल्द जिला कार्यकारिणी का गठन कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा और विकास की योजनाओं को पहुंचाने का कार्य शुरू करेंगे। उनके मनोनयन पर सिद्दीकी वेलफेयर एसोशिएशन के संस्थापक जाकिर सिद्दीकी, अध्यक्ष सादिक सिद्दीकी, पूर्व अध्यक्ष नफीस सिद्दीकी, जावेद अख्तर, सुहेल सिद्दीकी, अकरम सिद्दीकी, इब्राहिम सिद्दीकी, मोहम्मद इकबाल बल्लू, सिद्दीक सिद्दीकी आदि ने खुशी का इजहार किया।

नालों पर कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण कर पुख्ता लेंटर डाले गये, सफाई व्यवस्था प्रभावित

अवैध लेंडरो को तोड़े जाने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर में स्थित नालों पर कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण कर पुख्ता लेंटर डाल लिए गए हैं, जिससे नालों की सफाई नहीं हो पा रही। गंदे पानी की निकासी प्रभावित होने से बरसात में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। नगर के लोगों ने बरसात से पूर्व नालों को खुलवा कर सफाई कराने की मांग की है।

नगर में पानी की निकासी के लिए नगर पालिका द्वारा पक्के नालों का निर्माण कराया गया है। ताकि बारिश के मौसम में जल भराव की समस्या न हो। लेकिन इनके पास रहने वाले व्यक्तियों ने नालों पर अतिक्रमण कर उस पर पक्के लेंटर डलवा लिए हैं और उनका उपयोग निजी इस्तेमाल के लिए कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में नालों की सफाई ढंग से नहीं हो पाती है। जिसके चलते बारिश के मौसम में नगर में जल भराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है और लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। यदि कोई उनसे पक्के लेंटर हटाने के लिए कहता है तो वह झगड़े पर आमादा हो जाते हैं। इसके अलावा बिल्डिंग मैटेरियल सामान के विक्रेता इन्हीं नालों के ऊपर ईंट, बालू, गिट्टी आदि का भंडारण किए रहते हैं। जिससे लोगों को दिक्कत हो रही है। चुर्खी रोड, बंगरा मार्ग, औरैया मार्ग आदि स्थानों पर कई जगह यह स्थिति है। नगर के रहीस खान, हरिशंकर कुशवाहा, भूरे वारसी, भुलई गुर्जर ने एसडीएम से मांग की है कि नालों से स्थाई अतिक्रमण हटवाया जाए ताकि उसकी नियमित सफाई हो सके। साथ ही बारिश से पूर्व नालों की सिल्ट की सफाई कराई जाए ताकि बारिश में जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो।

मेधावियों के सम्मान से गूंजा परशुराम इंटर कॉलेज, टॉपर्स पर बरसे मेडल

हाईस्कूल में संचित कुशवाहा 90.5% के साथ अव्वल, इंटर में जान्हवी 83.6% अंक लेकर बनीं टॉपर

(यंग भारत न्यूज)

उरई कार्यालय/जालौन। परशुराम इंटर कॉलेज में सम्मान समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधक धीरज द्विवेदी ने की।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में आशुतोष शर्मा (पायनियर ब्यूरो चीफ, जालौन)

एवं डॉ. आश्रय सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों को मेडल, शील्ड एवं पुरस्कार प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य ब्रह्म प्रकाश द्विवेदी, उपप्रधानाचार्य सोहित यादव एवं प्रबंधक धीरज द्विवेदी ने हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। परिणामों में हाईस्कूल के छात्र संचित कुशवाहा ने 90.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि इंटरमीडिएट की छात्रा जान्हवी ने 83.6 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक पत्रकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें प्रिंस द्विवेदी, अजीत उपाध्याय, महेंद्र गौतम, दीपक चौहान, संजय कुमार, दीपक उदैनिया, अरविंद सेगर, योगेंद्र प्रजापति, कपिल रावत एवं रामवीर सिंह चौहान प्रमुख रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त स्टाफ की सक्रिय सहभागिता रही। समारोह के दौरान विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मेधावियों के सम्मान ने अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि प्रतिभा का सम्मान ही सफलता की सबसे बड़ी प्रेरणा है और ऐसे आयोजन आगे भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

मनरेगा कार्मिकों का फूटा गुस्साः 9 माह से अटका मानदेय, परिवार भुखमरी के कगार पर

(यंग भारत न्यूज)

उरई कार्यालय (जालौन), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) से जुड़े कार्मिकों का गुस्सा सोमवार को विकास खंड परिसर में खुलकर सामने आ गया। पिछले 9 माह से मानदेय न मिलने से नाराज कार्मिकों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया और खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को ज्ञापन सौंपकर जल्द भुगतान की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे कार्मिकों का कहना है कि लंबे समय से वेतन अटका होने के कारण उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और परिवार के भरण-पोषण तक में दिक्कतें आ रही हैं। कई कार्मिकों ने बताया कि हालात ऐसे हो गए हैं कि उन्हें कर्ज लेने तक की नौबत आ गई है। कार्मिकों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बकाया मानदेय का भुगतान नहीं किया गया तो वे आंदोलन को और तेज करने के लिए मजबूर होंगे। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि भविष्य में मानदेय का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें इस तरह की समस्याओं का सामना न करना पड़े। वहीं, खंड विकास अधिकारी ने कार्मिकों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्या को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और जल्द समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। फिलहाल, कार्मिक प्रशासन के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं।

सिरसा दो गढ़ी में पशु बाड़े में लगी आग, दमकलों ने शीघ्र पा लिया काबू

(यंग भारत न्यूज)

उरई।कार्यालय। सिरसा दो गढ़ी में पशु बाड़ा में अचानक आग लग गई।आग की लपटें देख ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों के साथ आग पर काबू पाया।आग से भूसा,छप्पर, के साथ साथ दो बछिया झुलस गई।

कोतवाली क्षेत्र के सिरसा दो गढ़ी में मंगलवार सुबह राजा भइया सिंह के पशु बाड़ा में अचानक आग लग गई। बाड़ा से आग की लपटें देख ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी।मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों के साथ आग पर काबू पाया।तब तक आग से लगभग 3क्विंटल भूसा,3 क्विंटल अनाज, छप्पर,चारपाई, कपड़े जलकर राख हो गए।आग से दो बछिया झुलस ग ई।फोटो।सिरसा दो गढ़ी में आग बुझाते ग्रामीण।स्रोत संवाद।

छत्रसाल स्कूल के पास स्थित खेत की पराली में आग लगी

बड़ा हादसा टला

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। छत्रसाल स्कूल के पास स्थित खेत की पराली में आग लगी। हालांकि समय रहते दमकल ने आग पर काबू पा लिया। जिससे बड़ा हादसा टला।

नगर के औरैया रोड पर छत्रसाल स्कूल के पास स्थित खेत में गेहूं की पराली में अज्ञात कारणों के चलते अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैलती देख लगी मौके पर मौजूद दुकानदारों ने तुरंत पानी और अन्य साधनों से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया साथ ही दमकल को सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। जिसके चलते बड़ा हादसा टल गया, क्योंकि इसके पास ही टायर पंक्चर की दुकान व पेट्रोल टैंक भी था।

भीषण गर्मी को देखते हुए गैस एजेंसियों पर छाया व पानी की व्यवस्था कराए जाने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। भीषण गर्मी को देखते हुए गैस एजेंसियों पर छाया व पानी की व्यवस्था कराए जाने की मांग नगर के लोगों ने डीएम से की है। नगर निवासी प्रद्युम्न दीक्षित, मोहम्मद अशफाक राईन, जाकिर सिद्दीकी, मौलाना खालिद रहमानी आदि ने डीएम राजेश पांडेय को शिकायती पत्र भेजकर लिखा कि इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। सुबह से ही लपट चलने लगती है और तापमान बढ़ने लगता है। नगर में दो गैस एजेंसियों का संचालन हो रहा है। जहां न तो पर्याप्त शीतल जल की व्यवस्था है और न ही छाया की व्यवस्था है। गर्मी के मौसम में महिलाएं और बुजुर्ग भी सिलिंडर भरवाने के लिए गैस एजेंसी पर पहुंचते हैं। जहां उन्हें काफी समय तक खड़ा रहना पड़ता है। छाया व ठंडे पानी व्यवस्था न होने से उन्हें परेशान होना पड़ता है। बताया कि गर्मी के चलते अधिकांश सरकारी दफ्तरों का समय बदला गया है। जबकि गैस एजेंसी अपेक्षाकृत काफी समय बाद खुलती है। ऐसे में जनहित को देखते हुए एजेंसी खुलने का समय सुबह सात बजे किया जाए। साथ ही एजेंसी संचालकों को एजेंसी स्थल पर छाया व शीतल जल की व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया जाए। ताकि लोगों को इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

बैठक कर किसानों की समस्याओ पर किया विचार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला कमेटी की बैठक मोहल्ला हरीपुरा में सौरभ सिंह के आवास पर जिला प्रवक्ता कामरेड कमलेश कुमार आचार्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला सचिव विनोद नगरिया ने किसानों, बटाईदारों और बलकट पर खेत जोतने वाले किसान जिनकी फसलें ओलावृष्टि से प्रभावित हुई हैं, कम से कम 60000 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से मुआवाजा दिए जाने की मांग की। इससे लिए पहले फसलों के नुकसान और किसानों की श्रेणी का सर्वे कराने की भी मांग की गई। साथ ही मांग की गई कि मुआवजा खेत जोतने वाले किसान को दिया जाए क्योंकि नुकसान उनका ही होता है। इसके अलावा खेतिहर मजदूरो का भी सर्वे कराकर आर्थिक मदद दिलाने की मांग की गई। बैठक में कहा गया कि किसानों की फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकार खरीदे। किसानों को आढ़तियों के पास जाने को मजबूर न किया जाए। बैठक में प्रस्ताव पारित कर पार्टी ने खुद को नवगठित वाम मोर्चा से अलग बताया। जिला प्रवक्ता कमलेश कुमार आचार्य ने आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की भी बात कही। इसके लिए इक्छुक पार्टी सदस्यों से जिला कमेटी में आवेदन देने के लिए कहा गया। बैठक में जिला सचिव विनोद नगरिया, कामरेड कमलाकांत वर्मा, जिला प्रवक्ता कमलेश कुमार आचार्य आदि रहे।

गौमाता को 'राष्ट्र माता' घोषित करने की मांग तेज, हिन्दू महासभा ने सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई कार्यालय (जालौन), अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के कार्यकर्ताओं ने गौमाता को 'राष्ट्र माता' घोषित करने की मांग को लेकर सोमवार को तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी राकेश सोनी को सौंपा गया। कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन में कहा कि देश में गौवंश को उचित सम्मान और संरक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने मांग की कि पूरे भारत में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और अवैध बूचड़खानों को बंद किया जाए। साथ ही, गौमाता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा देने के लिए विशेष कानून बनाए जाने की आवश्यकता बताई। गौरक्षा दल रामपुरा के अध्यक्ष अजय परिहार सहित प्रधुम्न सोनी, जितेंद्र सेन, अनूप सिंह, अनुज सैन और शिवमोहन सिंह समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने कहा कि एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में वे गौवंश संरक्षण के लिए ठोस और प्रभावी कदम चाहते हैं। उन्होंने केंद्र स्तर पर 'गोपालन मंत्रालय' के गठन की भी मांग उठाई, जो चारा सुरक्षा नीति और गौ संरक्षण से जुड़े व्यापक कानून तैयार करे। ज्ञापन सौंपते समय कार्यकर्ताओं ने सरकार से जल्द निर्णय लेने की अपील की, ताकि देशभर में गौवंश की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अपना दल (एस) कार्यकर्ताओं ने रक्तदान व सम्मान समारोह के साथ मनाया अनुप्रिया पटेल का जन्मदिन

(यंग भारत न्यूज)

उरई कार्यालय (जालौन), 28 अप्रैल। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं केंद्रीय मंत्री ठ्ठद्गश्चद्ध4ड्ड क्कड्डह्लद्गद्य का जन्मदिन जनपद जालौन में सेवा, समर्पण और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें संगठन की मजबूती और सामाजिक सेवा पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत रक्तदान शिविर से हुई, जहां जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने स्वयं रक्तदान कर समाज को सेवा का संदेश दिया। उनके साथ अपूप पटेल पुत्र शालीकृगण, अनिल कुशवाहा पुत्र प्रताप सिंह, रमाकांत पटेल पुत्र रंजीत सिंह, अभिषेक पटेल पुत्र उत्तम सिंह, ब्रिज नारायण पुत्र भगवान सिंह, राजीव पटेल पुत्र कृष्ण कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि उनकी नेता का जीवन जनसेवा को समर्पित है, इसलिए उनके जन्मदिन पर रक्तदान कर जीवन बचाने का प्रयास सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। इसके पश्चात भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी, विभिन्न मंचों के अध्यक्षों, विधानसभा अध्यक्षों एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। साथ ही लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया जगत से जुड़े पत्रकारों को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में केक काटकर जन्मदिन का उत्सव मनाया गया और सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने अनुप्रिया पटेल की दीर्घायु की कामना की। जिलाध्यक्ष ने इस दौरान आगामी चुनावों एवं संगठन विस्तार को लेकर दिशा-निर्देश देते हुए कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष दीपेश हिंगवासिया, रविकांत कुशवाहा, कृष्णपाल सिंह परिहार, शैलेंद्र पटेल; जिला महासचिव श्यामसुंदर कुशवाहा, राजेश पटेल, धीरेंद्र चौधरी, शैलेंद्र पाल शीलू भभुआ; जिला सचिव सुशील साहू, आशिष बजाज, राजीव पटेल, धर्मेन्द्र कुशवाहा, अंकित परिहार, पवन पटेल; जिला मीडिया सचिव जितेंद्र कुशवाहा; जिला कोषाध्यक्ष के.के. सोनी; जिला कार्यकारिणी सदस्य सुघर सिंह पटेल, अखिलेश कुशवाहा, अनिल कुशवाहा, अखिलेश निरंजन, लाल सिंह कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष 219 राहुल भदौरिया, कालपी विधानसभा अध्यक्ष प्रदीप पाल, उरई विधानसभा अध्यक्ष ब्रजेश साधारा, युवा जिलाध्यक्ष अंकित यादव, किसान मंच जिलाध्यक्ष रामकुमार पटेल व निर्भय सिंह परिहार, व्यापार मंच जिलाध्यक्ष नरेश कुमार वर्मा, छात्र मंच जिलाध्यक्ष प्रांजल पटेल, अल्पसंख्यक मंच जिलाध्यक्ष उस्मान अंसारी, विधि मंच जिलाध्यक्ष एडवोकेट लोकेंद्र कुशवाहा, पंचायत मंच जिलाध्यक्ष रामशंकर पाल, आईटी मंच जिलाध्यक्ष जितेंद्र कुशवाहा सहित जोनाध्यक्ष विजय कुशवाहा, रामबाबू कुशवाहा, पवन गुप्ता, द्वारका प्रसाद परिहार, हुकुम सिंह परिहार समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। रक्तदान शिविर में डॉक्टर अपर्णा सिंह, लक्ष्मी मेवालाल, लैब टेक्नीशियन अमित राज, अमृता बाजपेई, काउंसलर राहुल कुमार, एलए ऋषभ, आदित्य तथा डीएमएलटी छात्र अमन कुमार सहित मेडिकल टीम ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

आगामी 9 मई आयोजित लोक अदालत को सफल बनाने के लिए नोडल अधिकारियों की हुई बैठक

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उ. प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 09 मई 2026 को आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित किये जाने हेतु आज जनपद न्यायाधीश विरजेन्द्र कुमार सिंह के कुशल-मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी/अपर जिला न्यायाधीश सतीश चन्द्र द्विवेदी के विश्राम कक्ष में उनकी अध्यक्षता में जिले के समस्त तहसीलदारों एवं जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक के साथ समन्वय बैठक सम्पन्न हुयी। इसमें उपस्थित अधिकारियों को नोडल अधिकारी/अपर जिला न्यायाधीश प्रथम द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

बैठक में नोडल अधिकारी/अपर जिला न्यायाधीश सतीश चन्द्र द्विवेदी ने उपस्थित तहसीलदारों से कहा कि उच्चतम न्यायालय एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आगामी 09 मई 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला दीवानी न्यायालय उरई एवं वाह्य स्थित न्यायालयों में किया जाना है। इस हेतु चिन्हित राजस्व वादों का अधिकतम निस्तारण किया जाना है। लोकअदालत की सफलता हेतु तहसील बार अध्यक्ष/सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ सामन्जस्य एवं उनके द्वारा वादकारियों को सुलह हेतु प्रेरित करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार पर बल तथा इसमें ग्राम स्तर पर लेखपालों का सहयोग लिये जाने हेतु उन्हें निर्देशित किया गया। इस पर उपस्थित तहसीलदारों ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती शाम्भवी प्रथम द्वारा बैठक में उपस्थित जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक श्री अनुराग सक्सेना से अपेक्षा की गयी कि वह जिले की समस्त बैंकों के बकाया ऋण के ऐसे मामले जिनमें सुलह-समझौते की सम्भावना हो किन्तु वह पूर्व की लोकअदालतों में नियत न किये गये हो, को प्राथमिकता के आधार पर आगामी राष्ट्रीय लोकअदालत हेतु चिन्हित किया जाना चाहिये। ऐसे चिन्हित मामलों की सूची और उनके दावे/वादपत्र तत्काल तैयार कराकर अतिशीघ्र अग्रिम कार्यवाही हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में दाखिल किया जाये। बैठक में तहसील विधिक सेवा समिति के सचिव/तहसीलदार माधौगढ़ गौरव कुमार, सचिव/तहसीलदार जालौन श्रीमती तारा शुक्ला, नायब तहसीलदार कालपी मुकेश कुमार, नायब तहसीलदार कोंच जितेन्द्र सिंह पटेल तथा नायब तहसीलदार उरई हरदीप कुमार उपस्थित रहे।

शासन की अमृत योजना खाऊ कमाऊ और लापरवाह अधिकारियों की करतूत से बन गई है जहरीली योजना

- सुशील नगर में लाइन डालने के नाम पर तोड़ीं घरों की पाइप लाइन,पानी को तरसे लोग
- वार्ड-17 में ठेकेदार की लापरवाही से भीषण गर्मी में जलसंकट

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी अमृत योजना के तहत पेयजल आपूर्ति का सपना उरई के सुशील नगर वार्ड-17 में लापरवाही और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। आरोप है कि योजना का क्रियान्वयन कर रही कार्यदायी संस्था 'निर्माण खंड, उत्तर प्रदेश जल निगम नगरीय, उरई' के ठेकेदारों द्वारा रात्रि में बेहद गैर-जिम्मेदाराना तरीके से सड़क खुदाई की जा रही है, जिससे मोहल्ले के लोगों की घरेलू पेयजल पाइपलाइनें तोड़ दी गई हैं। अमृत योजना 2.0 के तहत सुशील नगर में नई पेयजल लाइन डालने का काम चल रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि ठेकेदार के मजदूर बिना किसी नक्शे और सावधानी के जेसीबी से खुदाई कर रहे हैं। इस दौरान दर्जनों घरों की पुरानी पेयजल कनेक्शन की पाइपलाइनें तोड़ दी गई। मरम्मत तो दूर, ठेकेदार के लोग टूटी पाइपों को खुला छोड़कर आगे बढ़ रहे हैं। इस 45 डिग्री तापमान में जब पूरे शहर में पानी की मांग चरम पर है, तब सुशील नगर के सैकड़ों परिवार बूंद-बूंद पानी को मोहताज हो गए हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया, 'दो दिन से घर में नल से पानी नहीं आ रहा। टैंकर भी नहीं आ रहा। बच्चों को स्कूल भेजने के लिए पड़ोसियों से पानी मांगना पड़ रहा है। नाराज मोहल्लेवासियों का आरोप है कि शिकायत करने पर जल निगम के अधिशासी अभियंता निर्माण खंड उरई कार्यालय का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी सुनने को तैयार नहीं है। लोगों ने बताया कि जेई से बात करो तो कहता है कि ठेकेदार से बात करो और एई के नंबर या तो बंद रहता या वो फोन रिसीव नहीं करते। ठेकेदार से बात करो तो वो 'ऊपर से आदेश है' कहकर टाल देता है। अमृत योजना की गाइडलाइन के अनुसार, खुदाई से पहले हर घर का सर्वे कर पुरानी लाइनों को चिह्नित करना और नई लाइन डालने के तुरंत बाद सड़क रेस्टोरेशन व टूटी पाइप जोड़ना ठेकेदार की जिम्मेदारी है। आरोप है कि सुशील नगर में एक भी नियम का पालन नहीं हो रहा। न साइन बोर्ड, न बैरिकेडिंग, न ही मलबा हटाने की व्यवस्था। जगह-जगह खुले गड्ढों से हादसे का खतरा भी बना हुआ है। जल निगम के अनुबंध शर्तों के अनुसार, लापरवाही से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और तय समय में रेस्टोरेशन न करने पर ठेकेदार पर प्रतिदिन के हिसाब से पेनल्टी और ब्लैकलिस्ट करने का प्रावधान है। सवाल यही है कि अधिशासी अभियंता निर्माण खंड द्वारा ठेकेदार पर अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की आक्रोशित लोगों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि पूरे मामले की जांच कराकर दोषी ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाए और उसकी पेनल्टी से लोगों की टूटी पाइप लाइनें तुरंत जुड़वाई जाएं। साथ ही लापरवाह अधिशासी अभियंता और जेई के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई की जाए। लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर 2 दिन में पानी बहाल नहीं हुआ तो वे जल निगम कार्यालय का घेराव करेंगे।

शिवसेना (शिंदे) एनडीए गठबंधन ने उरई में संगठन को दी मजबूती, बूथ-वार्ड अध्यक्ष घोषित

संगठन विस्तार पर हुई विस्तृत चर्चा, नए कार्यकर्ताओं को दिलाई गई सदस्यता

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शिवसेना (शिंदे गुट) एनडीए गठबंधन की ओर से उरई नगर में संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें बूथ एवं वार्ड अध्यक्षों की घोषणा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार आर्य ने की,जबकि झांसी मंडल प्रभारी सत्यम सक्सेना मुख्य रूप से मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ पदाधिकारियों के स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद संगठन विस्तार को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान मंडल उपाध्यक्ष मिथलेश कुमार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी की नीतियों और कार्यशैली पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बूथ और वार्ड स्तर पर मजबूत संगठन ही पार्टी की असली ताकत है। कार्यक्रम में नए कार्यकर्ताओं को सदस्यता भी दिलाई गई, जिससे संगठन को और मजबूती मिली। झांसी मंडल प्रभारी सत्यम सक्सेना ने कहा कि पार्टी लगातार जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत कर रही है और आने वाले समय में और सशक्त रूप में उभरेगी। जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार आर्य ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया और कहा कि संगठन की मजबूती ही सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम के अंत में नव-नियुक्त बूथ एवं वार्ड अध्यक्षों को शुभकामनाएं दी गईं और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर रोहित राजपूत, मुकेश राजपूत, मुकेश कुमार पाल, संदीप राजपूत, रामाकांत सोनी, शिवकुमार पाल, अविनाश ओमरे, देवेंद्र कुमार, अक्षय, ह्रदेश, सुनील पाल, मेहर जीवन (वीडीसी), विनय कुमार, चंद्रशेखर, राहुल, मानवेन्द्र सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मस्जिद वक्फ नं. 41 के किरायेदारों ने नई कमेटी को नजरअंदाज किया डीएम को सौंपी शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कोतवाली उरई क्षेत्र में पुरानी सब्जी मंडी बल्दाऊ चौक स्थित मस्जिद वक्फ नं. 41 की पुरानी कमेटी का कार्यकाल 4 अक्टूबर 2024 को समाप्त हो गया था। पूर्व सदर अब्दुल गफ्फार अंसारी का निधन 13 मई 2025 को हो चुका है। नई कमेटी को 30 जुलाई 2025 को उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में पंजीकृत कराया गया, लेकिन पुरानी कमेटी ने अभिलेख (लेखा-जोखा) नहीं सौंपे।मस्जिद परिसर की 7 दुकानों के किरायेदारों को नई कमेटी ने किराया देने के लिए सूचित किया, फिर 19 जनवरी 2026 को नोटिस जारी किए कि 30 जनवरी तक भुगतान न करने पर कानूनी कार्रवाई होगी। बावजूद इसके न किराया मिला, न कोई जवाब। सदर मुहम्मद हासिम खान ने बताया कि मस्जिद के इमाम की तनख्वाह, पानी-बिजली बिल व मरम्मत का खर्च यही किराया चलाता है। अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को 12 फरवरी 2026 को शिकायत दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

नई कमेटी ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर किरायेदारों से बकाया वसूलने व अभिलेख दिलाने के आदेश की मांग की है। संलग्न दस्तावेजों में नई-पुरानी कमेटी प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, नगर पालिका असेसमेंट व नोटिस प्रतियां शामिल हैं।

मानसिक विकलांग, निराश्रितों के आश्रय गृह संचालन हेतु एन जिओ आदि से मांगे आवेदन

आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्रों के संचालन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता योजनान्तर्गत आवेदन-पत्रों का आमंत्रण

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में मानसिक मंदित तथा मानसिक रूप से रुग्ण निराश्रित दिव्यांगजन हेतु आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्रों के संचालन हेतु स्वैच्छिक संगठनों को सहायता प्रदान किए जाने की व्यवस्था प्रदेश सरकार द्वारा की गयी है।

नि:शक्त व्यक्ति (सामान्य अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 एवं दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के अंतर्गत पंजीकृत प्रदेश के स्वैच्छिक संगठन जो मानसिक मंदिता के क्षेत्र में अनुभव तथा उक्त योजना हेतु पात्रता रखते हों, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 की वेबसाइट http.//uphwd.gov.in से प्रश्नगत योजना से सम्बन्धित दिशा-निर्देश व आवेदन पत्र का प्रारूप प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक स्वैच्छिक संस्थाएं मानसिक मंदित तथा मानसिक रूप से रुग्ण निराश्रित दिव्यांगजन के लिए आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र के संचालन हेतु सहायता योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अनुदान प्रस्ताव 02 प्रतियों में विलम्बतम दिनांक 31 जून 2026 तक जनपद के जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, कलेक्ट्रेट कैम्पस में किसी भी कार्यदिवस में आकर संपर्क कर सकते हैं।

चलती कार भीषण गर्मी में सड़क पर बनी आग का गोला

चालक ने कूद कर बचाई जान

(यंग भारत न्यूज)

उरई। एट थाना क्षेत्र के ग्राम पिरौना के पास नेशनल हाईवे-27 पर सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब भीषण गर्मी के चलते चलती कार में अचानक आग लग गई। आग लगते ही चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत कार से कूदकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई और हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार चालक कानपुर से झांसी की ओर एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था। रास्ते में एट थाना क्षेत्र के ग्राम पिरौना के पास अचानक कार के इंजन से धुआं निकलने लगा। चालक कुछ समझ पाता, उससे पहले ही कार में तेज लपटें उठने लगीं। यह देखकर चालक ने तुरंत गाड़ी रोककर बाहर छलांग लगा दी, जिससे उसकी जान बच गई। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। हाईवे पर चल रहे अन्य वाहन चालक भी रुक गए, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने काफी देर तक मशक्कत कर आग बुझाई, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। पुलिस ने यातायात को सुचारु कराने के लिए काफी प्रयास किए, जिसके बाद धीरे-धीरे जाम खुल सका।

प्राथमिक जांच में माना जा रहा है कि भीषण गर्मी और तकनीकी खराबी के कारण कार में आग लगी। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद क्षेत्र में काफी देर तक दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

पॉलीटेक्निक चलो अभियान में इस वर्ष की थीम पॉलीटेक्निक से स्वावलंबन की ओर बढ़ते कदम

(यंग भारत न्यूज)

- प्रवेश फॉर्म भरने की अंतिम तिथियों में व्याख्याता राघवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में सघन
- अभियान के तहत शहर के विभिन्न कॉलेजों में व्यापक संपर्क किया

उरई (जालौन)। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक) 2026 के प्रवेश फॉर्म भरने की अंतिम तिथियों में व्याख्याता राघवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में सघन अभियान के तहत शहर के विभिन्न कॉलेजों में व्यापक संपर्क किया। जिसमें सर्वोदय इंटर कॉलेज, आचार्य नरेंद्र देव इण्टर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज, डीवीसी कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, सनातन धर्म इंटर कॉलेज, राजकीय इण्टर कॉलेज, राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, मॉर्निंग स्टार पब्लिक स्कूल, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सिद्ध विनायक आईटीआई में छात्र-छात्राओं के मध्य प्रचार किया और अधिक से अधिक फॉर्म भरने की अपील की गई। पॉलीटेक्निक चलो अभियान में इस वर्ष की थीम पॉलीटेक्निक से स्वावलंबन की ओर बढ़ते कदम' * है।

जिले के कक्षा 10 व उससे ऊपर के समस्त छात्र-छात्राएं प्राविधिक शिक्षा से जुड़कर पॉलीटेक्निक से डिप्लोमा करके अपने भविष्य को सफल बनाकर प्रदेश व देश के विकास में योगदान करें।

इस दौरान राजकीय पॉलीटेक्निक की प्रचार प्रसार समिति के अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि आईटीआई, हाईस्कूल, इंटरमीडिएट व स्नातक पास छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं अभ्यर्थी की आयु 14 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। अधिकतम आयु की कोई सीमा निर्धारित नहीं है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक) में दिव्यांग अभ्यर्थियों को पांच प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है। ओबीसी, एससी, एसटी और ई.डब्ल्यू.एस., पूर्व सैनिक के आश्रितों को शासन के निर्देशानुसार आरक्षण प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि राजकीय पॉलीटेक्निक उरई में तीन ब्रांच हैं इनमें मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट एंड सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस, ग्रुप की सिविल इंजीनियरिंग व सिविल इंजीनियरिंग ईपीसी है। सभी ब्रांच में प्रवेश के लिए 75-75 सीटें उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि ग्रुप डी की ब्रांच मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट एंड सेक्रेटरियल प्रैक्टिस छात्राओं के लिए सबसे ज्यादा उपयोगी व रोजगारपरक ब्रांच है। इसमें वह किसी भी विभाग में एलडीसी, एडीसी, सेक्रेटरी परामर्शदात्री, स्टेनो, वैयक्तिक सहायक, जनसंपर्क अधिकारी, ई-कंपनियों के प्रबंधक, आईटीआई व सेवायोजन विभाग में अनुदेशक आदि पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं इसको सरकार द्वारा मान्य कंप्यूटर कोर्स 'ओ' लेवल के बराबर मान्यता प्राप्त है। सभी छात्र/छात्राओं हेतु छात्रावास व समृद्ध पुस्तकालय तथा कम्पनी प्लेसमेंट की सुविधा भी है। इसके अलावा राजकीय पॉलीटेक्निक, माधौगढ़ में ग्रुप के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में भी 75-75 सीटें उपलब्ध हैं इसके अलावा ई ग्रुप के सात प्राइवेट फार्मेसी कॉलेज भी जनपद में संचालित हैं। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक) का फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2026 है। अभ्यर्थी www.jeecup.admission.nic.in पर ऑनलाइन आवेदन करें।संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक) की परीक्षा तिथियां 15 मई, 2026 से 22 मई, 2026 के मध्य ऑनलाइन सीबीटी माध्यम के द्वारा शहर के ही परीक्षा केंद्रों पर संपन्न कराई जाएगी। पंजीकरण हेतु अभ्यर्थी अपना व्यक्तिगत मोबाइल न0 एवं ईमेल आईडी का ही प्रयोग करें। प्रवेश फॉर्म भरने से संबंधित समस्या पर कोई भी छात्र/छात्रा किसी भी कार्य दिवस में स्वयं पॉलीटेक्निक आकर संपर्क कर सकते हैं। निर्धारित शुल्क देकर वहीं से अपना फॉर्म भी भरवा सकते हैं। इस दौरान संपर्क अभियान में ऋषिकांत त्रिपाठी, राहुल सोनकर, मनोज अहिरवार, गोसुद्दीन खान, संजीव अग्रवाल, रमाकांत, सतीश कुमार भी रहे।

रविंद्र श्रीवास्तव (सोनू) बने रालोद के जिलाध्यक्ष, पहली प्रेस वार्ता में दर्जनों लोगों ने सदस्यता

आगामी जिला पंचायत व क्षेत्र पंचायत चुनाव अपने दम पर लड़ेगी आरएलडी-रविंद्र श्रीवास्तव

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. जयंत सिंह एवं महासचिव त्रिलोक त्यागी के अनुमोदन से जनपद जालौन के जिला अध्यक्ष पद पर रविंद्र कुमार श्रीवास्तव उर्फ 'सोनू' को नियुक्त किया। पत्र में डॉ. राय ने उनसे चौ. चरण सिंह व चौ. अजित सिंह की विचारधारा के अनुरूप संगठन मजबूत करने की अपेक्षा जताई।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोनू ने सिटी सेंटर स्टेशन रोड उरई पर आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि वे पार्टी को जनपद में मजबूत बनाएंगे। इस दौरान अनिल दीक्षित क्षेत्रीय सचिव, युवा जिलाध्यक्ष अनोज पाल, प्रांजुल, कपिल श्रीवास्तव, अकित ठाकुर, नितिन तोमर, अनुज सिंह तोमर, शिंदर गुप्ता नौगली, अमित त्रिपाठी, आदर्श नागर, करसान, रंजीत नागर एससी-एसटी जिलाध्यक्ष, शैनेंद्र श्रीवास्त, भगवान सिंह वैद्य श्रम प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष व श्रीमती अनीता पांडेय महिला जिलाध्यक्ष सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं को सदस्यता दिलाई। सभी ने उनका स्वागत किया। जबकि संचालन संजीव कुमार जौनी ने किया। सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष का फूल माला पहनाकर स्वागत स्वागत किया।

अपना दल (एस) कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर मनाया अनुप्रिया पटेल का जन्मदिन

(यंग भारत न्यूज)

- नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सम्मानित किया जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने
- चंद्रकांता बिल में आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

उरई (जालौन)। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्षा व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का जन्मदिन रक्तदान शिविर, सम्मान समारोह व उत्साह से चन्द्रकला बिला मंशापूर्ण मन्दिर के पास उरई में मनाया गया। जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी व ओमकार सिंह विक्की के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में संगठन मजबूती व जनसेवा पर जोर दिया।रक्तदान शिविर में जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी, अनूप पटेल, अनिल कुशवाहा, रमाकांत पटेल, अभिषेक पटेल, ब्रिज नारायण समेत दर्जनों ने रक्तदान कर जीवन रक्षा का संकल्प लिया। डॉ. अपर्णा सिंह, लक्ष्मी मेवालाल व मेडिकल टीम ने सहयोग किया। सम्मान समारोह में नवनियुक्त कार्यकारिणी सदस्य, मंच अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष व पत्रकारों को सम्मानित किया। प्रमुख रूप से दीपेश हिंगवासिया, रविकांत कुशवाहा, श्यामसुंदर कुशवाहा, सुशील साहू, जितेंद्र कुशवाहा, के.के. सोनी, राहुल भदौरिया, प्रदीप पाल, ब्रजेश साधारा, अंकित यादव, रामकुमार पटेल, उस्मान अंसारी समेत बड़ी संख्या कार्यकर्ता उपस्थित।

विद्यालय की 14 वर्ष से अधिक छात्राओं को टीके लगाकर जागरुक किया

सर्वाइकल कैंसर से हर वर्ष होती है लगभग 1 लाख मौतें- डॉ दिनेश

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। सर्वाइकल कैंसर एवं अन्य गंभीर बीमारियों के नियंत्रण के लिए सरकार की योजना के अंतर्गत 14 वर्ष से अधिक महिलाओं को विद्यालय तथा सी एच सी में टीकाकरण का अभियान चलाया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में टी डी (टिटनेस डिप्थीरिया) के टीके लगाए जा रहे हैं। चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर दिनेश बर्दिया ने मीटिंग में टीका की समीक्षा करके स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए।

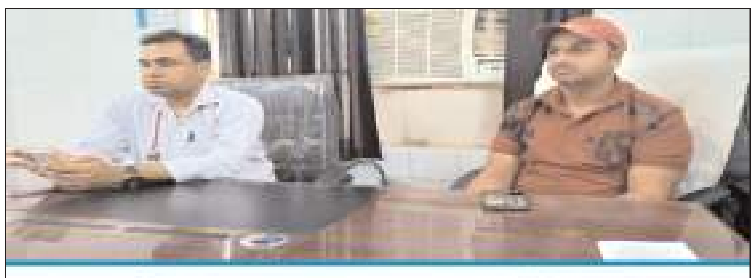

चिकित्सालय के कार्यालय में चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अशोक चक, टीका प्रभारी डॉक्टर अमित पोरवार, डॉक्टर शेख सहरयार, डॉक्टर विशाल सचान की मौजूदगी में चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर दिनेश ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से हर वर्ष एक लाख लोगों की मौत होती है इस वजह से विभाग के द्वारा टीकाकरण पर ज्यादा जोर दिया गया है। सीएचसी की महिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रचना दुबे के मुताबिक महिलाओं में बच्चेदानी एवं माहवारी की समस्याओं से सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां होती थी। इसी की रोकथाम के लिए टी डी का टीकाकरण करने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज, आर्य कन्या पाठशाला, एवं निजी विद्यालयों में डॉक्टर रचना दुबे की अगुवाई में स्वास्थ्य कर्मियों वंदना विश्वकर्मा, गीता पाल, विभा तथा आशाओं नसीमा खातून, नीलम यादव, अंजू लता, रानी अहिरवार, पूनम आदि स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा 14 वर्ष से अधिक की छात्राओं महिलाओं को टी डी का टीका लगाकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। विभागीय कर्मियों के मुताबिक सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन सी एच सी कालपी में टी डी का टीका लगाने की व्यवस्था है।

एसपी का कोतवाली में औचक निरीक्षण, मातहतों को दी कड़ीहिदायत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। नवांगतुक एसपी विनय कुमार सिंह ने कोतवाली कालपी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय का अभिलेखीय तथा स्थलीय निरीक्षण कर जिम्मेदारों को अपराध नियंत्रण तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिये प्रभावी निर्देश दिए।

बीती शाम को पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह अचानक कोतवाली कालपी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कोतवाली परिसर में घूम-घूम कर भ्रमण करते हुए जायजा लिया। परिसर में हरे भरे वृक्ष तथा साफ सफाई व्यवस्था देखकर संतोष जताया। पुलिस अधीक्षक ने कार्यालय में जाकर अभिलेखो के रखरखाव को देखा। कंप्यूटर कक्ष में ड्यूटी में मौजूद आपरेटर दीपेंद्र मिश्रा से आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों की फीडिंग के बारे में पूछताछ की। मिश्रा ने तत्काल जवाब ने अवगत कराया है कि जो शिकायतें प्राप्त होती है। उन शिकायतों को तत्काल निस्तारण करवा कर जांच आख्या पटल में भेज दिया जाता है। वर्तमान समय एक भी शिकायत लंबित नहीं है। एसपी विनय कुमार सिंह ने कार्यालय में अभिलेखों का निरीक्षण किया। उन्होंने आईजीआरआरएस के निस्तारण की हकीकत परखी तथा थानेदारों को निर्देश दिया कि मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण किया जाये। निरीक्षण के दौरान एसपी ने नारी उत्पीड़न, थाना दिवस के प्रार्थना पत्रों जन सामान्य आदि के शिकायती पत्रो के निस्तारण की हकीकत परखी। पुलिस अधीक्षक ने प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी को निर्देश दिया कि कोतवाली क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों तथा निर्धारित प्वाइंटों में समय से ड्यूटी में पुलिस जवानों को भेजें। साथ में सभी थानेदार तथा चौकी इंचार्ज अपने अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहे। जिससे क्षेत्र में कोई अपराध न घटित हो सके तथा क्षेत्र में अमन शांति बनाए रखें। इस दौरान वरिष्ठ उप निरीक्षक उदय प्रताप सिंह, उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह भदोरिया, उप निरीक्षक ओंकार सिंह, दीवान लक्ष्मीकांत त्रिपाठी, कंप्यूटर ऑपरेटर शैलेंद्र सिंह कंप्यूटर ऑपरेटर दीपेंद्र मिश्रा आशीष कुमार, बिपलेंद कुमार आदि विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को विद्यालय परिवार एवं शिक्षिकाओं द्वारा किया गया सम्मानित

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। जालौन बालिका इंटर कालेज में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विशिष्ट श्रेणी प्राप्त करने वाली छात्राओं को विद्यालय परिवार एवं शिक्षिकाओं द्वारा सम्मानित किया गया। हाईस्कूल में अस्सी प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली 28 छात्राओं और इंटरमीडिएट में सत्तर प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली 22 छात्राओं को मेडल, स्मृति चिन्ह और पुरस्कार देकर निरंतर प्रगति की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कालेज की प्रधानाचार्या डॉ. उमा वर्मा ने छात्राओं से मन लगाकर पढाई करने व जीवन की ऊंचाई को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रबंधकारिणी समिति के उपाध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी ने कहा कि सामान्यत: सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में बच्चों को इस तरह प्रोत्साहित करने वाले समारोह कम आयोजित किए जाते हैं। कहा कि समिति प्रत्येक छात्रा के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयत्नशील है। उन्होंने छात्राओं को आश्वस्त किया कि धनाभाव के कारण पुस्तकें क्रय करने में असमर्थ छात्राओं की सहायता की जायेगी। प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य पवन कुमार अग्रवाल ने भी छात्राओं से आगामी परीक्षाओं के लिए भी मेहनत करने की अपील की। समारोह का संचालन डॉ. पदमा देवी नगायच ने किया। इस मौके पर प्रबंधक मधु सिंघल, रेखा रानी, प्रीतिमा उमराव, सोनम, मालविका श्रीवास्तव, अंजू गौतम, रंजना भारती, नरेंद्र सिंह राठौर, कुलदीप चतुर्वेदी, आशीष सोनी, साधना याज्ञिक, रेखा श्रीवास्तव, गौरव गुप्ता, मान्या शर्मा, अर्चना लाक्षाकार, नेहा साहू आदि रहे।

एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित लेखपालों की मीटिंग में दिये जरुरी निर्देश

शासकीय कार्यों को जल्द निपटाने का दिया जोर

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। मंगलवार को नायब तहसीलदार चंद्र मोहन, मुकेश कुमार शुक्ला की मौजूदगी में उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में लेखपालों राजस्व कर्मचारियों की बैठक आयोजित हुई। मीटिंग में एसडीएम ने निर्देश दिये कि शासकीय कार्यो को गुणवत्तापूर्ण तरीके तेजी से निस्तारण किया जाये।

तहसील सभागार में आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुये उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि शासन के द्वारा किसानों तथा ग्रामीणो के हितों के लिये जो भी योजनाएं हैं उस पर प्राथमिकता से कार्य किया जाये। उन्होंने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य जल्द निपटाया जाये। राजस्व न्यायालयों में लम्बित मुकदमों में कुरा वटवारे की रिपोर्ट तैयार करके समस्त लेखपाल पत्रावलियों में निर्धारित समय के अंदर दाखिल करें। इसमें किसी भी प्रकार की उदासीनता नहीं होनी चाहिये। भीषण गर्मी के मौसम में गांवों में पेयजल व्यवस्था पर रखी जाये। उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों का मौके पर पहुंच कर निर्धारित समय में गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण करें। राजस्व निरीक्षक राजेंद्र कुमार, प्रमोद दुवे, हरेंद्र सिंह सेंगर, सुरेश कुमार, लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष जयवीर सिंह, जितेंद्र सिंह, राघवेन्द्र सिंह निरंजन, एसके महान, शिव मंगल पाठक, अमित कुशवाहा के अलावा राजस्व कर्मचारियों के अलावा प्रशासनिक अधिकारी धीरज पुरवार, शैलेंद्र कुमार, सलीम खान, सैयद टीपू आदि मौजूद रहे।

बाइक का बिगड़ा बेलेन्स सड़क पर गिर कर महिला घायल

-कोतवाल अपनी सरकारी गाडी में घायल महिला को लेकर सीएससी पहुंचे

-पुलिस द्वारा की गयी मानवता की चारो ओर चर्चा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कौन कहता है कि पुलिस में मानवता नही होती पुलिस की मानवता उस समय देखने को मिली जव कोतवाल ने अपने हाथो से सड़क दुर्घटना में घायल महिला को सरकारी गाडी से सीएससी पहुंचाया। जानकारी के अनुसार तहसील क्षेत्र के ग्राम तीतरा खलीलपुर में सोमवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें बाइक सवार एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा उस समय हुआ जब सामने से आ रहे ट्रैक्टर को देखकर बाइक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला नया पटेल नगर ब्लॉक के पास कोंच निवासी रेशमा उम्र 28 वर्ष पत्नी रतन अपने मायके में भाई की शादी समारोह में शामिल होने आई थीं। वह विदुआ रामपुरा माधौगढ़ से अपने भाई अमित के साथ वापस कोंच लौट रही थीं। उनके साथ उनका चार वर्षीय पुत्र कार्तिक भी बाइक पर सवार था। जैसे ही वे ग्राम तीतरा के पास पहुंचे, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर को देखकर अमित ने अचानक अपनी बाइक के ब्रेक लगा दिए। ब्रेक लगने से बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर गई। हादसे में पीछे बैठी रेशमा गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि बाइक चालक और बच्चा सुरक्षित बच गए। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मानवता का परिचय देते हुए घायल महिला को अपने हाथो से उठाकर अपनी सरकारी गाड़ी से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच पहुंचाया। सीएचसी में चिकित्सा प्रभारी डॉ. अनिल शाक्य ने घायल महिला का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण रेशमा को जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया गया।

दो कारो की आमने सामने जोरदार भिड़ंत में महिला सहित पांच लोग घायल

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सड़क दुर्घटनाए थमने का नाम नही ले रही है। कोतवाली क्षेत्र में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम घमूरी के पास तेज रफ्तार दो कारों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि एक कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार महिन्द्रा टीयूवी कार ने सामने से आ रही दूसरी कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों वाहनों में सवार लोग चीख-पुकार करने लगे। आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकाला। इस हादसे में कार सवार महिला और एक बच्ची समेत कुल पांच लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, घायल सभी लोग शादी की चौथी कार्यक्रम से लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। वहीं टक्कर मारने वाली कार में सवार लोग दुर्घटना के बाद अपनी गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। फरार कार सवारों की तलाश की जा रही है।

जनगणना का फील्ड कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक

इस कार्य के लिए 3 दिवस का प्रशिक्षण-अपर जिलाधिकारी

(यंग भारत न्यूज)

उरई। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार ने बताया कि जनपद में भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना' के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रगणक एवं पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण 20 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो चुका है। यह प्रशिक्षण जनपद के सभी चार्जों (तहसील एवं नगर निकाय) में संचालित किया जा रहा है तथा 5 मई 2026 तक पूर्ण किया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न बैचों में एक साथ आयोजित किया जा रहा है, जिनमें प्रत्येक बैच में लगभग 45 से 50 प्रगणक एवं पर्यवेक्षक शामिल हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना कार्य को सुचारु, सटीक एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराना है। जनगणना का फील्ड कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक किया जाएगा। इस कार्य के लिए 3 दिवस का प्रशिक्षण अनिवार्य है। जनगणना कार्य से इंकार करने पर जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 11 के अंतर्गत ?1000 तक का जुर्माना एवं दोष सिद्ध होने पर 3 वर्ष तक का कारावास का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, इस बार नागरिकों को स्व-गणना (Self Enumeration) की सुविधा भी प्रदान की गई है। नागरिक 7 मई से 21 मई 2026 के बीच निर्धारित पोर्टल se.census.gov.in के माध्यम से कहीं से भी अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। जनगणना से प्राप्त आंकड़े सरकार को विभिन्न योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण दिशा प्रदान करते हैं। सभी संबंधित कार्मिकों को निर्देशित किया गया है कि वे जनगणना के कार्य में पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करें। साथ ही आमजन से भी अपील की गई है कि वे सही एवं सटीक जानकारी देकर जनगणना कार्य को सफल बनाने में सहयोग करें।

45 पाउच अवैध कच्ची देसी शराब समेत युवक गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय कोतवाली के ग्राम कुटरा में 45 पाउच कच्ची देशी शराब समेत मोटर साइकिल सवार युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान कर दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सब इंस्पेक्टर ओंमकार सिंह, सिपाही विपलेंद्र कुमार, होमगार्ड प्रशांत कुमार क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। तभी अवधेश निवासी ग्राम कुटरा से दूरभाष से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल ग्राम कुटरा में प्राइमरी स्कूल के सामने शराब पाउच लिए जा रहा था। जिसको मैंने पकड़ लिया पुलिस जल्दी आकर उस व्यक्ति को पकड़ लीजिए। गांव के ही एक व्यक्ति की सूचना पर पुलिस टीम ग्राम कुटरा प्राइमरी स्कूल के पास पहुंची। तो ग्रामीण एक व्यक्ति को घेरे हुए खड़े थे। और अवधेश पुत्र वीरपाल सिंह ने उसे व्यक्ति को पकड़ रखा था। जब पुलिस टीम के द्वारा जामा तलाशी ली गई। तो आरोपी ने अपना नाम राहुल पुत्र रणधीर सिंह निवासी ग्राम लंगरपुर थाना कालपी जिला जालौन उम्र करीब 19 वर्ष बताई। जामा तलाशी में एक बैग में शराब के पाउच बरामद हुए। आरोपी के पास 45 पाउच व 9 पाउच कच्ची देसी शराब बरामद की गई है। पुलिस टीम के द्वारा कच्ची शराब के बारे में कड़ाई से पूछा गया तो आरोपी ने ने बताया कि मैं बेचने जा रहा था। तो ग्रामीणों ने मुझे पकड़ लिया।

अब आरोपी के व्यवहारी भी करने लगे हैं लड़की भगाने में मदद

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय नगर के एक मोहल्ला से 17 वर्षीय किशोरी को बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने के मामले में पीड़ित पिता की शिकायत पर कालपी कोतवाली में 5 लोगों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज कराया गया है। इस मामले की विवेचना टरननगंज चौकी इंचार्ज सुरेश चंद्र द्वारा शुरू कर दी गई है। स्थानीय नगर के मोहल्ला मिर्जा मंडी रंग महल के पास कालपी निवासी पीड़ित पिता ने कोतवाली में अभियोग दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि दिनांक 20.04.2026 की रात करीब 8 बजे से प्रार्थी की पुत्री लापता है। प्रार्थी ने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की। परंतु पुत्री का कोई पता नहीं चल सका। प्रार्थी ने अपनी पुत्री की सहेली के घर जाकर पूछा कि मेरी पुत्री कहां है। प्रारंभ में प्रार्थी की पुत्री की सहेली ने गोल मटोल जवाब दिया। जिससे प्रार्थी को संदेह हुआ। प्रार्थी के द्वारा लगातार प्रार्थी की पुत्री की सहेली की घर जाकर मिन्नत करने पर पुत्री की सहेली ने तीसरे दिन आरोप लगाते हुए बताया कि उसकी पुत्री को आरोपी शिवम पुत्र सीताराम मोहल्ला राम चबूतरा निवासी कालपी प्रार्थी की पुत्री को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। प्रार्थी की पुत्री की सहेली ने यह भी बताया कि आरोपी शिवम के साथ उसके तीन चार मित्र भी थे। जिन्होंने इस कार्य में आरोपी शिवम का सहयोग किया है। पीड़ित किसे कहते हैं पुलिस ने की शिकायत पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया है विवेचनाधिकारी सम्बंधित मोबाइल फोन की कॉल डिटेल निकाल कर गायब किशोरी का पता लगाने में जुट गये हैं।

नहर की रेलिंग से टकराई बाइक, बाइक सवार तीन गंभीर रूप से घायल

घायलो को जिला अस्पताल भेजा गया

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कैलिया थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पिपरी नहर के पास एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर नहर की रेलिंग से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर सभी घायलो को जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, राहुल पुत्र झल्लन उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम चमेड, अपनी बहन दुर्गा पत्नी रविन्द्र तथा बहनोई रविन्द्र पुत्र धन सिंह निवासी ग्राम आलमपुर जिला भिंड के साथ मोटरसाइकिल से सलैया मंदिर पूजा करने जा रहे थे। तभी रास्ते में पिपरी नहर के पास बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सीधे जाकर नहर रेलिंग से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी, जिसके बाद डायल 112 टीम मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर चोटें होने के कारण तीनों को जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक तेज रफ्तार और बाइक का संतुलन बिगड़ना हादसे का कारण माना जा रहा है।

भाजपा ने नगर में निकाली जन आक्रोश महिला पद यात्रा,विपक्ष पर साधा निशाना

(यंग भारत न्यूज)

कोंच भारतीय जनता पार्टी की नगर इकाई द्वारा 'जन आक्रोश महिला पद यात्रा' का आयोजन किया गया। इस पद यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रस्तावित 33 प्रतिशत महिला आरक्षण विधेयक के समर्थन में जनजागरण करना और इसके विरोध को लेकर विपक्षी दलों, विशेष रूप से इंडिया गठबंधन, की आलोचना करना रहा। भाजपा द्वारा आयोजित जन आक्रोश पद यात्रा का नेतृत्व नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने किया। यात्रा नगर पालिका परिसर से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग होते हुए चन्दकुआ स्थित रानी लक्ष्मी बाई की प्रतिमा पर पहुंची जहां माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत समापन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मूलचन्द्र निरंजन मौजूद रहे। उन्होंने पद यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की नारी शक्ति अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुकी है और उन्हें प्राप्त करने के लिए सड़कों पर उतर रही है। उन्होंने विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि संसद में महिलाओं के अधिकारों की अनदेखी की गई, जिसके विरोध में यह जन आंदोलन किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि यह रैली नारी सम्मान, नारी अधिकार और स्वाभिमान की आवाज है, जो समाज के हर वर्ग तक पहुंच रही है। उन्होंने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को देश की आधी आबादी को सशक्त बनाने वाला ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि इसे देशभर की महिलाओं का व्यापक समर्थन मिल रहा है। इस मौके पर नगर महामंत्री राजेंद्र दुबे, कोषाध्यक्ष अनिल कपूर, महेंद्र सोनी, ओमप्रकाश कुशवाहा, मनीष नगरिया, अर्चना सोनी, सीमा अहिरवार, कृष्णा झा, मधु सोनी, सुनीता, मंजुला, मनोरमा, गिरिजा, अंजली अग्रवाल, हिमानी राठौर, गंगा श्री, मोहिनी, ज्ञानकुंवर, रवि कुशवाहा, विनोद सोनी, सौरभ पुरवार और अरविंद सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फिर धमकाया, तो कायदे से खबर लेंगे', यूपी के 'सिंघम' अजय पाल ने जहांगीर खान दी सख्त चेतावनी; भड़क उठी टीएमसी

(यंग भारत न्यूज)

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को होनी है. बंगाल के 142 सीटों पर होने वाले मतदान को लेकर आज चुनाव प्रचार समाप्त हो गया. पिछले दिनों बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान बीजेपी ने टीएमसी पर लोगों को धमकाने के आरोप लगाए हैं.भाजपा के नेताओं का कहना है कि टीएमसी के कार्यकर्ता लोगों को वोट नहीं डालने देते. हालांकि, टीएमसी ने इस आरोपों का खंडन किया है. इस बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार जहांगीर खान को आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा ने शख्स चेतावनी दी है.

दरअसल, चुनावी मौसम में फलता विधानसभा क्षेत्र में टीएमसी के उम्मीदवार को लेकर एक विवाद सामने आया है. कुछ जगहों पर शिकायतें आई हैं कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार जहांगीर खान पिछले कुछ समय से लोगों को धमका रहे हैं. इस बीच यूपी के चर्चित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट और आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा ने चेतावनी दी है. बता दें कि आईपीएस अजय पाल इस समय बंगाल में चुनाव की ड्यूटी पर तैनात हैं.

आईपीएस अधिकारी की सख्त चेतावनी

आईपीएस अजय पाल शर्मा ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर लोगों को धमकाने की शिकायत फिर से मिलती है, तो सख्त एक्शन लिया जाएगा. आईपीएस अधिकारी की ओर से कहा गया कि जहांगीर को बता देना, अगर लोगों को फिर धमकाया तो कायदे से खबर लेंगे.

पुलिस ने भी नहीं बताया घर का पता

हैरान करने वाली बात है कि लोगों को धमकाने की शिकायत मिलने के बाद आईपीएस अजय पाल मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां पर टीएमसी के प्रत्याशी जहांगीर खान नहीं मिले. स्थानीय लोगों और यहां तक की स्थानीय पुलिस की ओर से भी जहांगीर के घर का सही पता नहीं दिया गया. बाद में तलाशी अभियान के दौरान पाल की टीम को जहांगीर का घर मिला.

एसपी को जारी हुआ नोटिस

बताया जा रहा है कि जब पुलिस की टीम जहांगीर खान के घर पहुंची, तो मौके पर उनके घर के बाहर कुल 14 पुलिसकर्मी तैनात मिले. इस पर अजय पाल शर्मा ने स्थानीय एसपी से जवाब मांगा. जिसको लेकर एसपी की ओर से कहा गया कि जहांगीर खान को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान है और 10 पुलिसकर्मी सुरक्षा के लिए निर्धारित हैं. इसपर अजय पाल ने सवाल किया कि फिर मौके पर 14 पुलिसकर्मी कैसे तैनात थे. उन्होंने इस संबंध में एसपी को नोटिस जारी कर कारण मांगा है.

टीएमसी ने किया पलटवार

आईपीएस अधिकारी अजय पाल की सख्त चेतावनी के बाद टीएमसी भड़क उठी है. टीएमस के प्रदेश प्रवक्ता रिजू दत्ता ने कहा कि क्ष्छ्क सरकार के पास स्ढ्ढ्ञ बनाने के अलावा कोई चारा नहीं था, जिसने उनके खिलाफ विजिलेंस जांच की सिफारिश की। टीएमसी ने कहा कि अगर कोई भी लाइन से हटता है और किसी के लिए गलत व्यवहार किया गया, तो इसकी कीमत चुकानी होगी. उन्होंने कहा यह बंगाल है उत्तर प्रदेश नहीं है.

महिला अधिकारी पर आया चपरासी का दलित प्यार का इजहार करने के लिए किया ऐसा काम, हो गई बड़ी कार्रवाई

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी लखनऊ से कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न और अनुशासनहीनता का एक गंभीर मामला सामने आया है। नगर निगम के एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने एक महिला अधिकारी को अश्लील और आपत्तिजनक मैसेज भेजकर मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दीं। मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचने के बाद आरोपी कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

व्हाट्सएप मैसेज ने खोली पोल

नगर निगम में तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी प्रवीण कुमार धानुक, जो पिछले कुछ समय से स्थानीय निकाय निदेशालय में अटैच था, पर एक महिला अधिकारी को लगातार व्हाट्सएप पर आपत्तिजनक और 'प्यार जताने' वाले मैसेज भेजने का आरोप है। महिला अधिकारी ने हिम्मत दिखाते हुए इन अश्लील संदेशों के स्क्रीनशॉट उच्चाधिकारियों को सौंपे। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रवीण को सस्पेंड करने का आदेश जारी किया। अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के अनुसार, प्रथम दृष्टया जांच में प्रवीण दोषी पाया गया है और उसका यह कृत्य कर्मचारी आचरण नियमावली का स्पष्ट उल्लंघन है।

विशाखा कमेटी करेगी जांच, जा सकती है नौकरी

इस मामले की गहराई से जांच के लिए स्थानीय निकाय निदेशालय ने विशाखा कमेटी (कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए गठित समिति) का गठन किया है। नगर निगम के कर निर्धारण अधिकारी नंद किशोर को मुख्य जांच अधिकारी बनाया गया है। यदि विशाखा कमेटी की रिपोर्ट में दोष सिद्ध हो जाता है, तो प्रवीण कुमार धानुक को सेवा से बर्खास्त भी किया जा सकता है। इस घटना ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार नगर निगम के कई कर्मचारी वेतन तो निगम से ले रहे हैं, लेकिन वे दूसरे विभागों या रसूखदार अफसरों के आवासों पर सेवा दे रहे हैं। स्थानीय निकाय निदेशालय में तैनात कई कर्मचारी अधिकारियों के संरक्षण के कारण मनमानी करते हैं। महिला अधिकारियों ने पहले भी अभद्रता की शिकायतें की थीं, लेकिन ठोस कार्रवाई न होने के कारण ऐसे कर्मचारियों के हौसले बुलंद बने रहे।

मम्मी बुला रही हैं' कहकर परिचित ने बाइक पर बिठाया, जंगल में 3 लड़कों ने किया गैंगरेप, फिर अस्पताल के बाहर फेंका

(यंग भारत न्यूज)

गुना। प्रदेश के गुना जिले के बमोरी थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनखरा गांव में एक नाबालिग किशोरी के साथ 3 लड़कों ने गैंगरेप किया। इस दौरान जब किशोरी की हालत बिगड़ गई, तो उसे मरणासन्न स्थिति में शिवपुरी मेडिकल कॉलेज के बाहर लावारिस छोड़कर भाग निकले।

जिसे गंभीर हालत में परिजन गुना के बमोरी थाने लेकर पहुंचे, लेकिन पुलिस ने जांच की बात कहकर लौआ दिया। इस खौफनाक घटना से आहत और लोक-लाज के डर से पीड़ित किशोरी ने घर लौटकर जहरीला पदार्थ खा लिया। फिलहाल, वह जिला अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है, जहां उसकी हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है।

जानें पूरा घटनाक्रम-

घटना का सिलसिला 25 अप्रैल को तब शुरू हुआ, जब पीड़िता की मां पास के ही एक गांव में तेरहवीं के कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। घर में किशोरी को अकेला पाकर गांव के ही रामू नामक युवक ने साजिश रची। दोपहर करीब 3 बजे रामू पीड़िता के पास पहुंचा और झूठ बोला कि उसकी मां ने उसे बुलाया है। मां के पास जाने के झांसे में आकर किशोरी उसकी बाइक पर बैठ गई। रास्ते में जब किशोरी ने रास्ता भटकने पर सवाल किए, तो आरोपी उसे डरा-धमकाकर जंगल की ओर ले गया। वहां पहले से ही रामू के 2 अन्य दोस्त विजय और अभिषेक मौजूद थे। इन तीनों दरिंदों ने नाबालिग के साथ बारी-बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया।

आरोपी ने रिश्तेदार को बताई सच्चाई

वारदात के बाद जब किशोरी की स्थिति बिगड़ने लगी तो आरोपी घबरा गए और उसे इलाज के बहाने शिवपुरी ले गए, जहां उसे मेडिकल कॉलेज के बाहर फेंककर फरार हो गए। इधर, घरवाले अपनी बेटी की तलाश में दर-दर भटक रहे थे। परिजनों ने जब शुरुआत में संदेही रामू से पूछताछ की, तो उसने साफ मना कर दिया कि वह लडक़ी के बारे में कुछ भी नहीं जानता है। हालांकि, बाद में रामू ने अपने एक रिश्तेदार को पूरी सच्चाई बता दी, जिसके माध्यम से परिजनों को पता चला कि उनकी बेटी शिवपुरी अस्पताल में है। परिजन उसे वापस घर लाए और फरियाद लेकर बमोरी थाने पहुंचे। लेकिन यहां जांच की बात कहकर पुलिस ने टरका दिया। इसी मानसिक आघात और शारीरिक पीड़ा से टूटी किशोरी ने आत्मघाती कदम उठाते हुए जहर खा लिया।

पुलिस की कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए बमोरी पुलिस ने घटना के तीसरे दिन स्न्ढ्ढक्रदर्ज की है। बमोरी थाना प्रभारी दिलीप राजौरिया के अनुसार, अस्पताल में भर्ती किशोरी के बयान महिला उपनिरीक्षक द्वारा दर्ज किए गए हैं। पीड़िता ने अपने बयानों में तीनों आरोपियों रामू, विजय और अभिषेक द्वारा किए गए कृत्य की पुष्टि की है। किशोरी ने बताया कि आरोपी उसे परिचित होने का फायदा उठाकर बाइक पर शिवपुरी की तरफ ले गए थे, जहां रास्ते में कहीं सूनसान जगह पर इस वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें रवाना कर दी गई हैं और जल्द ही उन्हें सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा। वहीं, दूसरी ओर जिला अस्पताल में किशोरी की हालत लगातार बिगड़ रही है।

यूपी में पुलिसवालों को दौड़ा-दौड़ाकर गया पीटा, शादी में बग्गी वाले को गए थे बचाने, खुद आ गए पिटकर

(यंग भारत न्यूज)

शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर में एक बारात में जमकर बवाल हुआ है. ये बबाल वर वधू पक्ष और घोड़ा बग्घी वाले के बीच हुआ और बबाल के दौरान मौके पर पहुंची पुलिस को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया.बवाल की वजह जिस घोड़ा बग्गी पर दूल्हा बैठ कर आया उसने अपना किराया मांग लिया. आरोप है कि इसके बाद वर वधू-पक्ष भड़क गए और उन्होंने घोड़ा बग्गी वाले की जमकर पिटाई कर दी. पीड़ित घोड़ा बग्गी वाले ने फौरन ही डायल 112 पर शिकायत कर दी. पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तो दबंग वर-वधू पक्ष ने पुलिसकर्मियों को भी नहीं बख्शा और उन्हें भी जमकर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा. जिसका वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और अब उन्हें जेल भेजने की तैयारी की जा रही है.

पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटने का यह नजारा थाना मदनापुर के हैदलपुर गांव का है. जहां पर एक बारात का कार्यक्रम था. घोड़ा बग्गी मालिक राजेंद्र पाल सिंह अपनी बुकिंग के हिसाब से दूल्हे राजा को अपने घोड़ा बग्गी से बैठाकर बारात में ले गया. सारा कामकाज निपटाने के बाद घोड़ा बग्गी मलिक ने अपना पहले से तय किराया मांगा. इसके बाद वर और वधू पक्ष से घोड़ा बग्गी वाले की कहासुनी शुरू गई. आरोप है कि वर और वधू पक्ष ने घोड़ा बग्गी वाले की पिटाई कर दी. पीड़ित घोड़ा बग्गी वाले ने फौरन ही डायल 112 पर मदद के लिए शिकायत कर दी. पुलिसकर्मी जब मौके पर पहुंचे तो वर और वधू पक्ष के लोगों ने पुलिस कर्मियों को भी नहीं बख्शा और पुलिस कर्मियों को भी दौड़ा-दौड़ाकर पीटना शुरू कर दिया. बवाल ज्यादा बढ़ा तो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया. रात में ही आरोपी वर-वधू पक्ष के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक महिला प्रीति, ऋषि पाल, बलराम, गोपाल और अमित समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. खास बात यह है कि बारात में बवाल करने वाले ज्यादातर रिश्तेदार लोग शामिल हैं, जो बारात में शामिल होने आए थे. बवाल के दौरान पुलिसकर्मियों को पीटने में भी वही लोग सबसे आगे रहे थे. फिलहाल पुलिस अब गिरफ्तार सभी हमलावरों को जेल भेजने की तैयारी कर रही है.

गरीब दिखने के लिए बाहर से प्लास्टर नहीं करवाता था घर... अंदर डबल बेड के नीचे चल रहा था अवैध हथियारों का कारखाना; मेरठ का रहीमुद्दीन वामपंथी ऐसे चला रहा था हथियारों की फैक्ट्री

(यंग भारत न्यूज)

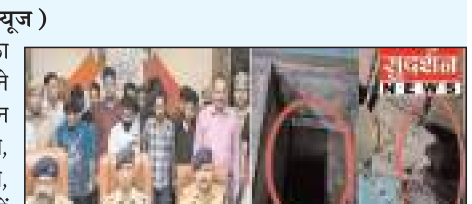

मेरठ। प्रदेश के मेरठ जिले में पुलिस ने एक बड़े अवैध हथियार नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। लोहियानगर क्षेत्र के अल्लीपुर में एक मकान के तहखाने में पिस्टल बनाने की गुप्त फैक्ट्री चलाई जा रही थी। छापेमारी के दौरान पुलिस को मकान के एक कमरे में डबल बेड के नीचे बना तहखाना मिला, जहां हथियार निर्माण का पूरा सेटअप तैयार था। मौके से 11 तैयार पिस्टल, 12 मैगजीन और हथियार बनाने के औजार बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि यह अवैध यूनिट पिछले करीब तीन महीनों से सक्रिय थी। एसएसपी अविनाश पांडे के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह ने अब तक 150 से अधिक अवैध पिस्टल अलग-अलग अपराधियों तक पहुंचाई हैं। यह सप्लाई मांग के आधार पर की जा रही थी, जिससे एक संगठित आपराधिक नेटवर्क का संकेत मिलता है। स्वाट और सर्विलांस टीम को मिली सूचना के आधार पर घोसीपुर कट इलाके में छापेमारी की गई, जहां से तीन लोगों को पकड़ा गया। पूछताछ के बाद मिले सुरागों के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में असलम, अलाउद्दीन, अनस, शक्ति, मुनीर, आरिश, शिवा शर्मा, गुड्डू सैनी, राजन और रजत शर्मा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार इस पूरे नेटवर्क का संचालन रहीमुद्दीन कर रहा था, जो अपने अल्लीपुर स्थित मकान से इस फैक्ट्री को चला रहा था। वह फिलहाल अन्य 10 साथियों के साथ फरार है।

'खून के बदले खून': 'मेरे तीन मरे हैं, मुझे छह की लाश चाहिए, तभी सब्र आएगा'!..

(यंग भारत न्यूज)

बुलंदशहर। बुलंदशहर के खुर्जा क्षेत्र में हुए दिल दहला देने वाले ट्रिपल मर्डर कांड के बाद न्याय की मांग को लेकर परिजनों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। घटना से आक्रोशित मृतक पक्ष की महिलाओं ने रविवार को खुर्जा कोतवाल का घेराव करते हुए जमकर हंगामा किया। खून के बदले खून के नारों के बीच महिलाओं ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने और कड़ी कार्रवाई की मांग की।

सोशल मीडिया पर इस हंगामे का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें महिलाएं अपना दर्द और गुस्सा जाहिर करती नजर आ रही हैं। घटना के बाद से ही क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। रविवार को मृतकों के घर के बाहर खुर्जा कोतवाल पुलिस बल के साथ मौजूद थे। तभी परिवार की महिलाएं एकत्र होकर पुलिस अधिकारियों के पास पहुंचीं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि महिलाएं बेहद भावुक और आक्रोशित हैं। एक महिला पुलिसकर्मियों के सामने चिल्लाते हुए कह रही है, मेरे तीन मरे हैं, मुझे छह की लाश चाहिए, तभी मुझे सब्र आएगा। महिलाओं का आरोप है कि इस जघन्य अपराध ने उनके हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस कर्मियों और महिलाओं के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। हंगामे के दौरान खुर्जा कोतवाल और अन्य पुलिस अधिकारी महिलाओं को समझाने का प्रयास करते रहे। पुलिस ने आश्वासन दिया कि कानून अपना काम कर रहा है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। हालांकि, प्रदर्शनकारी महिलाएं तत्काल कार्रवाई और आरोपियों के लिए कठोरतम दंड की मांग पर अड़ी रहीं। हंगामे की सूचना पर सीओ खुर्जा शोभित कुमार मौके पर पहुंचे। उनके आश्वासन पर महिलाएं शांत हुईं। हंगामे और विरोध प्रदर्शन का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

रात में डीआईजी, दिन में एडीजी पहुंचे खुर्जा

बुलंदशहर के खुर्जा में हुए तिहरे हत्याकांड के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। ये खबर आप हिमाचल से में पढ़ रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए आधी रात को ही मेरठ रेंज के डीआईजी और रविवार दोपहर को एडीजी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

तीन आरोपी गिरफ्तार, मुख्य आरोपी की तलाश में दबिश

जिले की पुलिस के साथ-साथ एसओजी और फॉरेंसिक टीमें सुराग तलाशने में जुटी हैं। पुलिस ने अब तक तीन आरोपियों जिम संचालक रूपेश सैनी, मयंक सैनी और नरेश सैनी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आठ टीमें दबिश दे रही हैं। वारदात की सूचना मिलते ही रात करीब 12 बजे सीओ खुर्जा शोभित कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते खुर्जा नगर, खुर्जा देहात और चोला थाने की फोर्स ने इलाके को घेर लिया। रात करीब 12:30 बजे एसपी सिटी और एसपी देहात भी मौके पर पहुंच गए। रात करीब डेढ़ बजे तीनों शवों को कड़ी सुरक्षा के बीच पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए रात ढाई बजे डीआईजी मेरठ रेंज कलानिधि नैथानी खुद खुर्जा पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। इस हत्याकांड के बाद जिले के 12 थानों की फोर्स को अलर्ट पर रखा गया है। खुर्जा से लेकर जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस तक पुलिस का पहरा है। मौके पर चार सीओ, पीएसी की टुकड़ियां और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पोस्टमार्टम हाउस पर एसपी क्राइम नरेश कुमार ने खुद मोर्चा संभाला और सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। सुरक्षा की दृष्टि से अरनिया, ककोड़, सिकंदराबाद और शिकारपुर समेत कई थानों के प्रभारियों को भी खुर्जा में तैनात किया गया है। डीआईजी कलानिधि नैथानी का कहना है कि पुलिस जांच सही दिशा में बढ़ रही है।

सुसाइड से पहले बनाया 'मौत का वीडियो': रायबरेली में युवक ने खोली पत्नी के अवैध संबंधों की पोल, अब सलाखों के पीछे 'कातिल' बीवी

(यंग भारत न्यूज)

जिले के हरचंदपुर थाना क्षेत्र में रिश्तों के कत्ल और बेवफाई की एक ऐसी दास्तां सामने आई है, जिसने रूह कंपा दी है। अपनी पत्नी के कथित अवैध संबंधों और आए दिन के पारिवारिक क्लेश से तंग आकर एक युवक ने मौत को गले लगा लिया। मरने से पहले युवक ने एक वीडियो बनाकर अपनी मौत का जो सच उगला, उसने पुलिस महकमे में भी हड़कंप मचा दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पत्नी को सलाखों के पीछे भेज दिया है।

ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, गांव में मातम

घटनाक्रम के अनुसार, बीती 27 अप्रैल को सल्लारपुर निवासी चंद्रकेश (पुत्र स्व. सुमिरन) ने गंगागंज स्थित रेलवे लाइन के पास ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। इस आत्मघाती कदम के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। शुरुआती जांच में मामला केवल आत्महत्या लग रहा था, लेकिन जैसे-जैसे परतें खुलीं, कहानी में 'खलनायिका' का चेहरा साफ होने लगा।

वीडियो में बयां किया दर्द : 'वो दोनों हैं मेरी मौत के जिम्मेदार'

बताया जा रहा है कि आत्मघाती कदम उठाने से पहले मृतक चंद्रकेश ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था। इस वीडियो में उसने अपनी पत्नी कामिनी और एक अन्य व्यक्ति रघुनाथ पर गंभीर आरोप लगाए। मृतक के मुताबिक, पत्नी के अवैध संबंधों और मानसिक प्रताड़ना ने उसे इस मोड़ पर खड़ा कर दिया कि उसे मौत ही एकमात्र रास्ता नजर आया।

सलाखों के पीछे पहुंची 'कातिल' पत्नी

मृतक के परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर हरचंदपुर पुलिस ने धारा 108 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के सख्त निर्देशों के बाद पुलिस टीम सक्रिय हुई। 28 अप्रैल को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम सल्लारपुर से आरोपी पत्नी कामिनी को धर दबोचा।

आईपीएल प्वाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	7	6	0	13
बेंगलुरु	8	6	2	12
हैदराबाद	8	5	3	10
राजस्थान	8	5	3	10
गुजरात	8	4	4	8
चेन्नई	8	3	5	6
दिल्ली	8	3	5	6
कोलकाता	8	2	5	5
मुंबई	7	2	5	4
लखनऊ	8	2	6	4

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

अभिषेक शर्मा
380 रन
हैदराबाद

अंशुल कंबोज
14 विकेट
चेन्नई

खबर संक्षेप

कतर सुपरस्टॉक चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय जोहान

दोहा। जोहान इमैनुअल फाइनल राउंड की दोनों रेस में पहला स्थान हासिल करके कतर सुपरस्टॉक 600 चैंपियनशिप (क्यूएसटीके) जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। चेन्नई के रहने वाले 19 वर्षीय जोहान को खिताब पक्का करने के लिए दोनों रेस जीतनी जरूरी थी और वह इसमें सफल रहे। फाइनल राउंड की रेस से पहले वह हंगरी के मार्टन बेलेली से नौ अंकों से पीछे थे। भारतीय राइडर ने आखिर में 21 अंकों की बढ़त के साथ चैंपियनशिप अपने नाम की। उन्होंने 10 रेस में से छह में जीत हासिल की।

मोहंती ने जिम्नास्टिक में ऑल-अराउंड स्वर्ण जीता

भुवनेश्वर। ओडिशा के तपन मोहंती सोमवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में ऑल-अराउंड चैंपियन बने। ओडिशा का प्रतिनिधित्व करते हुए तपन ने 73.433 का शानदार स्कोर बनाया। उनके बाद योगेश्वर सिंह (हरियाणा) दूसरे स्थान पर रहे जिन्होंने 72.667 का स्कोर हासिल किया और श्रेयस चौधरी (एसएससीबी) तीसरे स्थान पर रहे जिन्होंने 71.268 का स्कोर बनाया। मेजबान राज्य का गौरव बढ़ाते हुए ओडिशा की टीम ने सीनियर एमएजी टीम चैंपियनशिप के फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया।

पुणे में मैच के दौरान टेबल टेनिस खिलाड़ी की मौत

पुणे। तमिलनाडु के आईएम लुइस राज की रविवार को यहां 32वीं राष्ट्रीय मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप के दौरान कोर्ट पर मैच खेलते हुए अचानक गिर जाने से मौत हो गई। राज 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग श्रेणी में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। वह महालुंगे-बालेवाड़ी स्थित श्री शिव छत्रपति खेल परिसर में आंध्र प्रदेश के वीवी रमना के खिलाफ अपना तीसरे दौर का एकल मैच खेल रहे थे तभी यह घटना हुई। राज 2-0 की बढ़त बनाने के बाद तीसरे गेम में 5-4 से आगे चल रहे थे तभी दोपहर करीब 12.15 बजे वह अचानक गिर पड़े। स्थल पर तैनात पैरामेडिक्स ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और सीपीआर तथा 'चेस्ट कम्प्रेशन' सहित आपातकालीन प्रक्रियाएं शुरू कीं।

रघुवंशी को अंपायर से भिड़ना पड़ा महंगा

मुंबई

कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया है। रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) के बीच हुए मुकाबले में रघुवंशी को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है।

केकेआर की पारी के दौरान पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर अंगकृष रघुवंशी को 'ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड' के कारण आउट दे दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने मैदान पर ही अपनी नाराजगी जाहिर की थी। अंगकृष ने पवेलियन लौटते हुए गुस्से में जोर से जमीन पर बल्ला मारा था और अपना हेलमेट बाउंड्री लाइन के पास फेंक दिया था। केकेआर का खेमा भी अंपायर के फैसले से काफी नाखुश दिखाई दिया था। टीम के हेड कोच अभिषेक नायर को भी गुस्से में अंपायर्स संग बातचीत करते हुए देखा गया था।

'ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड' का लगा था दोष

दरअसल, प्रिंस यादव की गेंद पर अंगकृष मिड-ऑन की तरफ शॉट खेलकर रन लेने के लिए दौड़े थे, लेकिन दूसरे छोर पर खड़े कैमरून ग्रीन ने उन्हें वापस भेज दिया था। अपना विकेट बचाने के लिए अंगकृष ने छलांग लगाई थी, लेकिन तभी फील्डर ने भी गेंद को स्टंप की तरफ थ्रो किया था। थ्रो सीधा अंगकृष के पैर में जाकर लगा था, जिसके बाद एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत और बाकी खिलाड़ियों ने अपील की थी। मैदानी अंपायर्स ने थर्ड अंपायर की मदद ली थी, जिसके बाद अंगकृष को 'ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड' (फील्डिंग में बाधा पहुंचाने) का दोषी मानते हुए उन्हें आउट करार दे दिया था।

सूर्यवंशी ने बच्चों से फोटो के लिए मांगे पैसे!

एजेंसी ▸▸| जयपुर

वैभव सूर्यवंशी मैदान के अंदर अपने खेल के लिए जितनी सुर्खियां बटोरते हैं, उतना ही मैदान के बाहर उनका मजाकिया अंदाज भी खूब वायरल होता है। शनिवार को हैदराबाद के खिलाफ 36 गेंद पर शतक लगाने के बाद अब यह 15 वर्षीय बल्लेबाज बच्चों के साथ मस्ती करते हुए सुर्खियां बटोर रहा है। राजस्थान रॉयल्स ने अपने एक्स हैंडल पर वीडियो शेयर किया है, जिसमें वैभव बच्चों से फोटो के लिए पैसे मांगते दिख रहे हैं।

मैं फोटो के लिए पैसे लेता हूं

इस वीडियो में दिख रहा है कि वैभव सूर्यवंशी के पास दो बच्चे आते हैं और फोटो के लिए कहते हैं। फिर राजस्थान के ओपनर को मजाक सूझता है और वह कहते हैं, "मैं फोटो के लिए पैसे लेता हूं।" इसके बाद बच्चों को यकीन नहीं होता है और फिर वैभव बोलते हैं, नहीं बोल रहा हूं मैं। 100 रुपए लूंगा मैं पूरे। दोनों तो बोलो। इसके बाद मजा तब आता है जब दोनों में से एक बच्चा वैभव को 200 रुपए देने लगता है और बोलता है, एक मेरे साथ और एक इसके साथ। इसके बाद वैभव जोर से हंसने लगते हैं और कैमरे की ओर इशारा करते हुए कहते हैं, अरे भाई मजाक कर रहा हूं देखो उधर देखो। इस मस्ती-मजाक का वीडियो राजस्थान रॉयल्स ने शेयर किया। फैंस भी इसे पसंद कर रहे हैं और मजाकिया मीम्स के साथ शेयर भी कर रहे हैं।

बेंगलुरु की आईपीएल में छठी जीत, कोहली के 9 हजार रन पूरे

जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर के दम पर आरसीबी ने दिल्ली को नौ विकेट से रौंदा

जोश चार विकेट लेकर बने मैन आफ द मैच

नई दिल्ली

भुवनेश्वर कुमार (तीन ओवर में पांच रन पर तीन विकेट) और जोश हेजलवुड (3.3 ओवर में 12 रन पर चार विकेट) की कमाल की गेंदबाजी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में सोमवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 81 गेंद शेष रहते नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। कैपिटल्स की पारी को 16.3 ओवर में 75 रन पर समेटने के बाद आरसीबी ने देवदत्त पडिक्कल (13 गेंद में नाबाद 34 रन) और विराट कोहली (15 गेंद में नाबाद 23 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी से 6.3 ओवर में एक विकेट पर 77 रन बनाकर एकतरफा जीत दर्ज की। टीम ने आठ मैचों में यह छठी जीत दर्ज कर तालिका में दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति और मजबूत की, जबकि दिल्ली की यह आठ मैचों में पांचवीं हार है। आरसीबी ने इसके साथ ही आईपीएल इतिहास में गेंद के हिसाब से दूसरा सबसे तेज लक्ष्य हासिल कर मौजूदा सत्र में 18 अप्रैल को कैपिटल्स से मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया।

देवदत्त 34 और कोहली 23 रन बनाकर नॉट आउट रहे

पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ दो विकेट पर 264 रन के साथ अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली कैपिटल्स टीम का यह आईपीएल में तीसरा सबसे कम स्कोर है। टीम के लिए अभिषेक पोरेल ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया।

दिल्ली-75/10 (16.3)

खिलाड़ी	रन
साहिल पारख बो भुवनेश्वर	06
लोकेश का जितेश बो हेजलवुड	00
राणा का पडिक्कल बो हेजलवुड	01
रिजवी का जितेश बो हेजलवुड	00
स्टब्स का पडिक्कल बो भुवनेश्वर	05
अक्षर का जितेश बो भुवनेश्वर	00
अभिषेक पोरेल बो हेजलवुड	30
डेविड मिलर का जितेश बो सलाम	19
काइल जैमीसन पगबाधा पंड्या	12
कुलदीप यादव पगबाधा सुयश	03
दुष्मंता चमीरा नाबाद	00

अतिरिक्त: 04
कुल योग: 16.3 ओवर में सभी आउट 75 रन
विकेट पतन: 1-0, 2-2, 3-2, 4-7, 5-7, 6-8, 7-43, 8-62, 9-71
गेंदबाजी: भुवनेश्वर 3-0-5-3, हेजलवुड 3.3-0-12-4, सलाम 2-0-21-1, शेफर्ड 2-0-21-0, सुयश 4-0-7-1, क्रुणाल 2-0-9-1

आरसीबी-77/1 (6.3)

खिलाड़ी	रन
जैकब का नटराजन बो जैमीसन	20
विराट कोहली नाबाद	23
देवदत्त पडिक्कल नाबाद	34

अतिरिक्त: 00
कुल योग: 6.3 ओवर में एक विकेट पर 77 रन
विकेट पतन: 1-29
गेंदबाजी: जैमीसन 3-0-42-1, चमीरा 2-0-18-0, अक्षर 1-0-5-0, नटराजन 0.3-12-0

अजेय रथ पर सवार पंजाब आरआर की अग्नि परीक्षा!

■ आज रात 7:30 बजे से रोमांचक मुकाबला

मुल्लांपुर। पिछले कुछ मैचों में अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर पाने वाले राजस्थान रॉयल्स को मंगलवार को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में अगर पंजाब किंग्स का अजेय रथ रोकना है तो रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान रियान पराग को अपने बल्लेबाजी फॉर्म में सुधार करना होगा। रिकी पोंटिंग का मुख्य कोच का पद संभालने और श्रेयस अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स में आमूलचूल बदलाव देखने को मिले हैं और उसने तब से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले साल उसकी टीम उप विजेता रही थी और इस साल उसने शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया है। श्रेयस ने कप्तान और बल्लेबाज के रूप में बेहद दबाव वाली परिस्थितियों में सराहनीय धैर्य का प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स के टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहने में अहम भूमिका निभाई है। अय्यर ने शानदार कामयाबी की है, लेकिन उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अच्छा योगदान दिया है। पंजाब किंग्स ने पिछले सत्र में आईपीएल के इतिहास के सबसे कम स्कोर का बचाव किया था और अब उसने नई दिल्ली में शनिवार को भीषण गर्मी के बावजूद रिकॉर्ड 265 रन के लक्ष्य को बेहद आसानी से हासिल कर लिया था।

शेवरॉन चैंपियनशिप

नेली फिर बनीं नंबर-1 महिला गोल्फर

ह्यूस्टन

अमेरिका की नेली कोर्डा शेवरॉन चैंपियनशिप जीतकर फिर से दुनिया की नंबर एक महिला गोल्फर बन गई हैं। कोर्डा ने चौथे और आखिरी दौर में दो अंडर 70 के स्कोर के साथ पांच शॉट की जीत हासिल की और अपने करियर का तीसरा मेजर खिताब जीता। उन्होंने कुल 18 अंडर 270 का स्कोर बनाया। यह उनकी एलपीजीए में 17वीं और विश्व स्तर पर 21वीं जीत थी। इससे यह 27 वर्षीय अमेरिकी स्टार अगस्त के बाद पहली बार महिला विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर वापसी करने में सफल रहीं। कोर्डा ने न केवल शुरू से अंत तक बढ़त बनाए रखी, बल्कि किसी अन्य खिलाड़ी ने उनके सामने चुनौती पेश ही नहीं की।

सिंधू उठाएगीं खिलाड़ियों के मसले बीडब्ल्यूएफ के लिए काम किया शुरू

हैदराबाद

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की परिषद के सदस्य के रूप में अपना कार्यकाल शुरू कर दिया है और उन्होंने दुनिया भर के खिलाड़ियों के मसलों को उठाने का वादा किया।

बैडमिंटन की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक सिंधू ने दिसंबर में बीडब्ल्यूएफ खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष के रूप में चुने जाने के बाद बीडब्ल्यूएफ परिषद में पूर्ण मतदान का अधिकार हासिल कर लिया है। सिंधू आधिकारिक तौर पर 2025 के आखिर में परिषद में शामिल हुई थी। उन्होंने 25 अप्रैल को यहां वार्षिक आम बैठक में पहली बार हिस्सा लिया और इस तरह से उनके कार्यकाल की शुरुआत हुई।

मेरे लिए सौभाग्य की बात : पीवी

सिंधू ने कहा, 'विश्व बैडमिंटन महासंघ के यह जिम्मेदारी निभाना और दुनिया भर के खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए वास्तव में सम्मान और सौभाग्य की बात है।' उन्होंने कहा, बैडमिंटन ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मुझे खुशी है कि मुझे इस भूमिका से भी खेल की सेवा करने का मौका मिल रहा है।

चोट के कारण एशियाई चैंपियनशिप नहीं खेल पाएंगी मीराबाई चानू

नई दिल्ली

भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में कंधे की चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाएंगी। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई को फरवरी में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यह चोट लगी थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया, 'राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान मीराबाई के कंधे में हल्की

चोट लग गई थी। यह साल बहुत अहम है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल होने वाले हैं और वह कोई भी जोखिम नहीं ले सकतीं।' भारतीय टीम में मीराबाई की जगह कोमल कोहर को शामिल किए जाने की संभावना है।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 31 साल की मीराबाई ने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा और 116 किग्रा) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। मीराबाई 23 जुलाई से दो अगस्त तक होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 48 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेंगी, जिसके बाद अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों 2026 के लिए वह अपना वजन बढ़ाकर 53 किग्रा वर्ग में आ जाएंगी। एशियाई खेल ही एकमात्र ऐसा बड़ा टूर्नामेंट है, जिसमें मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने अभी तक कोई पदक नहीं जीता है।

मैड्रिड ओपन

कोको की कोर्ट पर वोमिटिंग फिर भी चौथे दौर में पहुंची

मैड्रिड

अमेरिका की स्टार खिलाड़ी कोको गॉफ बीमार पड़ने और कोर्ट पर उल्टी करने के बावजूद मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पहुंच गई हैं। पिछले साल मैड्रिड ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली गॉफ ने सोराना सिर्स्टिया के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 4-6, 7-5, 6-1 से जीत दर्ज की।

गॉफ ने दूसरे सेट के बीच में कोर्ट पर उल्टी कर दी थी, जिससे वह थोड़ा असहज महसूस करने लगी थीं। कोको ने कहा, 'जब मैंने कोर्ट पर उल्टी कर दी, तो मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। इसके बाद पहले और दूसरे गेम के बाद मुझे लग रहा था कि जैसे मेरी सारी ऊर्जा छीन ली गई है।' इससे पहले शनिवार को विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक अज्ञात बीमारी के कारण अमेरिकी खिलाड़ी एनलो के खिलाफ मैच के बीच से हट गई थीं।

मुझे मैच से हटना पसंद नहीं : कोको

गॉफ ने कहा, 'मुझे मैच से हटना पसंद नहीं है। मैं ऐसा तब तक नहीं करती जब तक मुझे सच में यह न लगे कि मेरे पास कोई और विकल्प नहीं है।' गॉफ का अगला मुकाबला 13वीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा से होगा।

महिला एसए ओपन : संयुक्त 24वें स्थान पर प्रणवी

केपटाउन। भारतीय खिलाड़ी प्रणवी उर्स ने अंतिम दौर में एक अंडर 72 का स्कोर बनाकर इन्वेस्टेक एसए महिला ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 24वां स्थान हासिल किया लेकिन दीक्षा डागर (76) अंतिम दिन निराशाजनक प्रदर्शन के कारण नीचे खिसक गईं। दीक्षा आखिर में संयुक्त 37वें स्थान पर रहीं, जबकि अवनी प्रशांत (77) ने संयुक्त 57वां स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहीं तीन अन्य भारतीय खिलाड़ी तान्वी ठाकुर, लोपा मलिक और हिताशी बख्शी कट में जगह बनाने से चूक गई थीं। इस बीच इंग्लैंड की एस्मे हैमिल्टन ने दो शॉट की जीत के साथ अपना पहला पेशेवर (लेडीज यूरोपियन टूर) खिताब जीता।

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से दी करारी शिकस्त

थॉमस कप : भारत की क्वार्टर फाइनल में धमाकेदार एंट्री

हॉर्सेंस

भारतीय पुरुष टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ग्रुप ए के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से करारी शिकस्त देकर थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत और चीन इस ग्रुप में शीर्ष पर हैं। 2022 के चैंपियन भारत ने कनाडा पर 4-1 से जीत के साथ शुरुआत की थी।

चीन ने अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया था। उसने सोमवार को कनाडा को 4-1 से पराजित किया। भारत और चीन अब बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे, जिससे ग्रुप में शीर्ष स्थान का फैसला होगा।

बुधवार को भारत और चीन के बीच मुकाबला
आयुष ने भारत की बढ़त को दोगुना किया

लक्ष्य ने भारत को दिलाई शुरुआती बढ़त

लक्ष्य सेन ने एफ्रेम स्टीफन सैम पर 21-14, 21-16 से जीत हासिल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। यूएस ओपन चैंपियन और हाल में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उपविजेता रहे आयुष शेट्टी ने श्रेय दास को 21-8, 21-6 से आसानी से हराकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष युगल जोड़ी ने रिजवी हिवांका और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराकर स्कोर 3-0 कर दिया। इससे भारत की क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित हो गई।

प्रणय ने आधे घंटे से भी कम समय में ऋषि होंडा को हराया

एचएस प्रणय ने आधे घंटे से भी कम समय में ऋषि होंडा मूर्ति पर 21-11, 21-17 से जीत हासिल की। हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन ने दूसरे युगल मुकाबले में एंड्रिका समाडिआसा और एफ्रेम स्टीफन सैम को 21-12, 21-10 से हराया, जिससे भारत इस मुकाबले में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

विशेषः विश्व हास्य दिवस, 3 मई

क्या आप हमेशा अपने काम में डूबी रहती हैं-काम.. काम.. बस काम। हंसी-ठिठोली से दूर, चेहरे पर जरा-सी भी मुस्कान नहीं। एक असहज जीवन, बोझिल-सा मन। यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। हंसिए जरूर। हंसी मन को संभालती है, तनावमुक्त रखती है, एक सुकून देती है। हंसी हमें सहज-सरल बनाती है। इतना ही नहीं, हंसी रिश्तों को भी जोड़ कर रखती है। हंसी हमें प्रफुल्लित रख जीवन को जीवंत बनाती है।

हंसो-हंसाओ बने रहो जीवंत

कवर स्टोरी

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

जन्म लिया बच्चा जो बोल नहीं पाता, वह मुस्कुराता है, हंसता है, इसी के जरिए दुनिया से अपना पहला रिश्ता बनाता है। शायद इसी कारण हंसी मात्र एक भाव नहीं, संवाद का एक खूबसूरत जरिया भी है। एक समय था, जब रिश्तों के भीतर हंसी-ठिठोली किसी जीवंत तंतु की तरह फैली रहती थी, जो उन्हें भीतर से जोड़े रखती थी। ऐसा भी नहीं है तब कामों की थकान और शिकायतें नहीं होती थीं, लेकिन इन सब पर भारी पड़ती थी-हंसी। वही हंसी, थके शरीर को एक राहत देती थी।

हंसी के लिए नहीं चाहिए होता था खास मौका

पहले के समय में हंसी किसी खास मौके की मोहताज नहीं होती थी, वह तो रोजमर्रा की गतिविधियों में घुली-मिली रहती थी। हंसी एक ऐसा संवाद होता था, जिसमें चलते-फिरते सब शामिल हो जाते थे-छोटा, बड़ा, बूढ़ा और जवान। हर किसी के पास हंसी का अपना एक किस्सा, एक अंदाज होता था। घर के आंगन में चार औरतें बैठ जातीं नहीं कि बातें शुरू, इन बातों के बीच हंसी अपने आप जन्म ले लेती थी। दो लोगों को हंसते देख कब स्वयं भी हंसी का फव्वारा फूट पड़ता, पता ही नहीं चलता था। इस तरह हंसी हमें आपस में जोड़ती थी।

हंसी रिश्तों में घोलती थी मिठास

देवर-भाभी का रिश्ता तो जैसे हंसी का सबसे प्यारा संग-साथ होता था। नई बहू घर में आती, तो देवरों की शरारतें शुरू हो जातीं-कोई रास्ता रोक लेता, कोई नाम बिगाड़ देता, कभी खुद ही ऐसी बात कह बैठते कि भाभी ही नहीं, दादी, मां और बहनें भी हंसी में शामिल हो जातीं। भाभी भी कम नहीं होती-एक ही पंक्ति में ऐसा जवाब देती कि घर-आंगन ठहाकों से गूंज उठता। इसमें कोई मर्यादा नहीं टूटती थी- एक ऐसा अपनापन होता था, जो धीरे-धीरे रिश्तों को खोल देता था। सबसे खास बात यह होती थी कि उस समय कोई अकेला नहीं होता था। अगर किसी का चेहरा बुझा-बुझा सा दिख जाए, तो उसे यूं ही नहीं छोड़ दिया जाता। दो-चार औरतें पास बैठ जातीं और फिर शुरू हो जाती थी हल्की-फुल्की छेड़छाड़, जो धीरे-धीरे हंसी में बदल जाती। बिना समझाए, बिना समझे ही मन हल्का हो जाता था।

महसूस होता है एक सुकून

पहले के लोग भले ही ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं होते थे, लेकिन उन्हें जीने की समझ गहरी हुआ करती थी। उन्हें यह नहीं पता था कि हंसने से शरीर में एंडोर्फिन बनता है या डोपामिन बढ़ता है, लेकिन इतना जरूर जानते थे कि खुलकर हंसने के बाद मन हल्का हो जाता है। आज विज्ञान बताता है कि जब हम हंसते हैं तो शरीर में ऐसे तत्व सक्रिय होते हैं, जो दर्द कम करते हैं, मन को स्थिर रखते हैं और तनाव घटाते हैं। साथ बैठकर हंसने से अपनापन बढ़ता है, भरोसा मजबूत होता है। यही कारण है कि खुलकर हंसने के बाद एक सुकून-सा महसूस होता है।

हंसी की जरूरत पहले से कहीं अधिक

आज मनुष्य पहले से अधिक सक्षम है, मजबूत है, लेकिन कहीं न कहीं पहले से ज्यादा अकेला भी हो गया है। वह सब कुछ संभाल रहा है, पर किसी से अपने मन की कहने का अवसर उसे कम मिलता है। ऐसे समय में हंसी की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। जरूरत यह नहीं कि हम पुराने समय में लौट जाएं, बल्कि यह है कि हंसी जैसी सरल और सुंदर आदत को फिर से अपने व्यवहार में जगह दें, मिलकर हंसने की आदत डालें। लोगों से संवाद करें। अपनी बात कहें, दूसरों की सुनें और बीच-बीच में खुलकर हंसें भी। रोज नहीं तो हफ्ते में एक दिन ही सही, थोड़ा समय अपनों के लिए निकालें, उनके साथ बैठें, बिना किसी खास वजह के बातें करें। और अगर कोई चुप दिखाई दे, तो उसके पास जाकर बैठें, क्योंकि सच यही है कि सिर्फ बातों से किसी का दुख-तनाव कम नहीं किया जा सकता। कई बार एक सहज, साझा हंसी ही मन का सबसे बड़ा सहारा बन जाती है। हास्य दिवस हमें यही याद दिलाता है कि हंसी कोई व्यर्थ चीज नहीं है। हंसी में जीवन को हल्का करने की ताकत है, रिश्तों को जोड़ने की ताकत है और मन को संभालने का सबसे सरल उपाय भी यही है।

आइए, हम फिर से अपने जीवन में हंसी के लिए जगह बनाएं। आंगन छोटा हो तो क्या, दिल बड़ा रखें। हम बैठकें सजाएं, ठहाके लगाएं और एक-दूसरे से दिल की कहें, मौज-मस्ती करें, चुहलबाजी करें और हंसते रहें। क्योंकि अंत में हमारे साथ जो रह जाता है, वह केवल हमारी कमाई नहीं होती, बल्कि यह होता है कि हमने अपनी उस कमाई से कितनों के चेहरे पर सच्ची मुस्कान दी है।

प्यार और परवाह भरे हों छुट्टियों के दिन

समर वैकेशन का समय बच्चों के लिए दिन भर की व्यस्तता वाली नियमित दिनचर्या से भले अलग हो, लेकिन इस समय का सदुपयोग जरूरी है। इसके लिए एक प्लानिंग बना ली जानी चाहिए। पैरेंट्स और बच्चे मिलकर छुट्टियों को प्यार और परवाह भरे दिन बनाएं।

बच्चे और आप

डॉ. मोनिका शर्मा

साल भर बाद आने वाली छुट्टियां यानी समर वैकेशन का समय सीमित ही होता है। यही दिन कहीं जाने या किसी के अपने घर आने के दिन भी होते हैं। इसीलिए, सही प्लानिंग बनाकर बच्चों की रुचि के मुताबिक कुछ एक्टिविटीज से जुड़ने की राह चुनना जरूरी है। असल में छुट्टियों के सही उपयोग और नियोजन के लिए पहले दिन से ही कुछ बातें तय कर लेना जरूरी है। समर क्लासेस की ज्वाइनिंग से लेकर अपने रूम को ऑर्गेनाइज्ड करने और हम उम्र साथियों के खेलने-कूदने के साथ ही परिवार संग वक्त बिताने के सहज से गाइडलाइंस को इस प्लानिंग का हिस्सा बनाएं। बीते एकेडमिक ईयर या आने वाली क्लास के मुताबिक कोई होमवर्क दिया गया हो तो उसे पूरा करने को लेकर भी टाइम टेबल बनाना चाहिए।

समझें समर क्लास की उपयोगिताः गर्मियों की छुट्टियों में समर कैंप या क्लासेस भी बच्चों के लिए कुछ नया सीखने-समझने का अच्छा अवसर होते हैं। इस समय बच्चे अपनी हॉबी या स्किल्स निखारने के लिए कोई कोर्स कर सकते हैं। इन स्किल्स के क्लासरूम में बच्चों पर अच्छा परफॉर्म करने का कोई मानसिक दबाव नहीं होता। प्रतियोगिता से दूर सहज माहौल में बच्चे कुछ नया सीखते हैं। समर क्लासेस बच्चों को क्रिएटिव मोर्चे पर मन का करने का अवसर देते हैं। हॉबी क्लासेस में बच्चे रचनात्मक रूप से बहुत सक्रिय रहते हैं। असल में समर क्लासेस में बच्चे अपने ही आस-पास की अनदेखी-अनजानी दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। गिनती के दिनों के ये क्लासरूम बच्चों की क्षमता और प्रतिभा को रचनात्मकता का प्यारा कैनवास देते हैं। जिस पर बच्चे बिना किसी तनाव के अपनी मर्जी के रंग भरते हैं।

बच्चों के लिए चुनें सही कोर्सः सभी पैरेंट्स सोचते हैं कि गर्मी की छुट्टी में बच्चों को क्या ऐसा कोर्स कराएं कि अवकाश के दिनों में भी उनका समुचित विकास हो। जरूरी यह है कि पैरेंट्स की इच्छा से बच्चों के रुचि-रुझान का भी मेल हो। इन दिनों क्रिकेट, स्केटिंग, योग, कसरत, डांस, म्यूजिक, स्केचिंग, पेंटिंग, स्टोरी टेलिंग और पब्लिक स्पीकिंग जैसी कई तरह की क्लास चलती हैं, पर कोई भी कोर्स नहीं चुना जा सकता। ना ही हर कोर्स, हर बच्चे के लिए सही होता है। इसीलिए घर के छोटे सदस्यों की रुचि और उम्र के अनुसार ही कोर्स का चयन करना आवश्यक है। इस मोर्चे पर पैरेंट्स अपनी पसंद बिलकुल भी न थोपें। छुट्टियां खुशियों का ही समय होता है। बिना किसी के दबाव के कलात्मक गतिविधियां करने से डोपामाइन हार्मोन बढ़ता है। यह हार्मोन बच्चों को खुशी और शांत मन की सौगात देता है। प्रसन्न और पॉजिटिव माइंडसेट से किए गए ऐसे शॉर्ट-टर्म कोर्स कई बार जिंदगी भर के लिए बच्चों के शौक की बुनियाद बना देते हैं।

घर में भी रचनात्मक गतिविधियांः समर क्लास या समर कैंप न जाने वाले बच्चे घर में भी क्रिएटिव छुट्टियां बिता सकते हैं। समर वैकेशन में आस-पड़ोस के बच्चे मिल-जुलकर कुछ नया सीख सकते हैं। कुछ एक्टिविटीज में तो पैरेंट्स भी शामिल हो सकते हैं। बच्चों के साथ पैरेंट्स कोई नई रेसिपी बना सकते हैं। इससे बच्चे घर और रसोई के छोटे-छोटे काम करना सीखेंगे। घर में पैरेंट्स के साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए बच्चे घर और अपना कमरा साफ रखने और चीजों को सही जगह पर जांचने का पाठ भी पढ़ सकते हैं। फुर्सत के पलों में सहज अंदाज में दिए गए अभिभावकों के दिशा-निर्देश बच्चों को बोझ भी नहीं लगते। इतना ही नहीं बच्चे ऑनलाइन क्लासेस के जरिए भी कोई नई भाषा सीख सकते हैं। तकनीकी फील्ड में रुचि हो तो कोडिंग, रोबोटिक्स या डिजिटल आर्ट के क्लास ले सकते हैं। सुबह-शाम बच्चों के साथ इंडोर गेम्स खेलने के लिए समय निकालना भी फुर्सत में कुछ पल बिताने का बहुत प्यारा तरीका है।

एडवाइस

ललिता गोयल

वर्किंग वूमेन के लिए घर के साथ वर्कप्लेस की जिम्मेदारियां निभाना आसान नहीं होता है। वहां भी उन्हें कई तरह के चैलेंजेस और प्रॉब्लम्स को फेस करना पड़ता है। ऐसे में परेशान होने के बजाय आपको उन्हें हैंडल करने का तरीका सीखना चाहिए।

वर्कप्लेस चैलेंजेस-प्रॉब्लम्स को वर्किंग वूमेन ऐसे करें फेस

आज के दौर में बहुत सी महिलाएं वर्किंग हैं। ऑफिस में वर्क प्रेशर के अलावा तरह-तरह के स्ट्रेस का सामना भी उन्हें करना पड़ता है। कुलीग और बॉस का नेचर, ऑफिस का माहौल, कंपनी पॉलिसीज, जेंडर भेदभाव, उचित सैलरी न मिलना, पर्सनल सेफ्टी की चिंता जैसी कई चुनौतियों का सामना वे करती हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन के मुताबिक वर्कप्लेस पर पुरुषों के मुकाबले में महिलाओं में बर्नआउट यानी मानसिक और शारीरिक थकान के मामले ज्यादा देखने को मिलते हैं। ऑफिस प्रॉब्लम्स से निपटने के लिए एक क्लीयर विजन और कॉन्फिडेंस की जरूरत होती है। जानिए, वर्किंग महिलाएं ऑफिस से जुड़ी समस्याओं को कैसे करें हैंडल?

मल्टीटास्किंग से बचेंः एक समय में एक ही काम पर ध्यान केंद्रित करें, इससे गलतियां कम होती हैं। अगर आपके पास पहले से ही बहुत काम है, तो अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने से बचें। अपनी जिम्मेदारियों और चुनौतियों के बारे में अपने मैनेजर या एचओडी से बात करें। संभव हो तो फ्लेक्जिबल वर्किंग ऑवर या वर्क फ्रॉम होम का ऑप्शन चुनें। कुलीग्स के साथ हेल्दी रिलेशन बनाएं।

जेंडर भेदभावः कई बार वर्कप्लेसेस पर गलत धारणाएं बना ली जाती हैं कि महिलाएं देर तक नहीं रुक सकतीं या शादी-मां बनने के बाद वे काम को लेकर कंसंट्रेट नहीं कर पाती हैं। इसे 'ग्लास सीलिंग' भी कहते हैं, जहां योग्यता के बावजूद उनको प्रमोशन या उचित इंक्रीमेंट नहीं मिलता है। इस समस्या से निपटने के लिए अपनी उपलब्धियों को डेटा और रिजल्ट्स के साथ पेश करें। कॉन्फिडेंट होकर अपनी बात रखें।

वर्कप्लेस सेफ्टीः ऑफिस में देर शाम तक काम के दौरान या फील्ड वर्क के दौरान सुरक्षा की चिंता, लगभग सभी वर्किंग वूमेन को होती है। इसके अलावा कई बार मेंटल टॉर्चर या हैरेसमेंट का भी उनको सामना करना पड़ता है। ऐसे में अपनी कंपनी की पॉलिसी के बारे में जागरूक रहें। किसी भी गलत व्यवहार को शुरुआत में ही टोकें। किसी भी तरह के भेदभाव या असुरक्षित व्यवहार को अनदेखा न करें और शिकायत दर्ज करने में जरा भी संकोच न करें।

वर्क प्रेशरः ऑफिस में पहले उन कामों को करें, जो ज्यादा जरूरी हैं। इसके अलावा गैरजरूरी काम या दूसरों के काम खुद न करें। अपने रोल के हिसाब से अपने कार्यों की पूरी लिस्ट बनाएं और इसके बाद इन्हें प्रायोरिटी के हिसाब से सेट कर लें। खुद को कभी भी ओवर वर्कलोडेड न रखें। हर काम को परफेक्ट बनाने की कोशिश कई बार तनाव बढ़ा देती है। इसलिए खुद से बहुत ज्यादा उम्मीद ना रखें। अगर कभी कोई काम समय पर नहीं हो पाता या परफेक्ट नहीं हो पाता तो खुद को दोष देने की बजाय अगले दिन उसे बेहतर तरीके से करें।

सीमाएं निर्धारित करेंः ऑफिस टाइम के बाद बहुत इंपॉर्टेंट न होने पर कॉल्स या ई-मेल्स चेक करने से बचें। काम की लिस्ट बनाकर, उन्हें ऑफिस टाइम में ही पूरा करें। अगर आप ऐसा करती हैं तो दिन के आखिर में आपके सारे काम पूरे हो जाएंगे, जिससे फील गुड होगा।

(मनोवैज्ञानिक मीनाक्षी मनचंदा से बातचीत पर आधारित)

मन को ऐसे रखें रिलैक्स

आप अपने ऑफिस और घर दोनों की जिम्मेदारियां अच्छी तरह निभा पाएं, इसके लिए जरूरी है कि खुद को रिलैक्स रखें और मन को शांत रखें। मन शांत रखने के लिए आप डेली कुछ मिनट तक योगा, मेडिटेशन जैसी एक्टिविटी कर सकती हैं। एक्सरसाइज भी मन को शांत रखने का एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। जब आप दिन की शुरुआत योग या मेडिटेशन से करती हैं तो पूरा दिन एनर्जेटिक और हैप्पी फील होता है। इससे दिन भर आप वर्क प्रेशर को आसानी से संभाल सकती हैं। इसके साथ ही स्ट्रेस और थकान से बचने के लिए लगातार काम करने के बजाय छोटे-छोटे ब्रेक लेती रहें।

थेरेपी

डॉ. गौरव गुप्ता

सीनियर साइकियाट्रिस्ट-सीईओ
तुलसी हेल्थकेयर, गुरुग्राम

प्रेगनेंट महिलाएं शारीरिक और मानसिक रूप से हेल्दी रहने के लिए कई उपाय आजमाती हैं। इसमें लाफ्टर थेरेपी भी बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। इसके क्या फायदे हैं और इसे कैसे करना चाहिए, जानिए।

प्रेगनेंट महिलाओं के लिए फायदेमंद है लाफ्टर थेरेपी

गर्भावस्था हर महिला के जीवन का सबसे खास लेकिन चुनौतीपूर्ण दौर भी होता है। इस दौरान उनके शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव, शारीरिक असामान्यता और कई तरह की चिंताएं, महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालती हैं। इस वजह से प्रेगनेंसी का दौर कुछ महिलाओं को मुश्किलों भरा लगने लगता है। ऐसे में गर्भवती महिला के मानसिक स्वास्थ्य और बच्चे की ग्रोथ पर इसका बहुत बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में लाफ्टर थेरेपी यानी हंसी को अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बनाना, मां और बच्चे दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है। आइए जानते हैं लाफ्टर थेरेपी और इससे होने वाले फायदों के बारे में।

लाफ्टर थेरेपी क्या हैः लाफ्टर थेरेपी एक नेचुरल हीलिंग तकनीक है, जिसमें हंसी के माध्यम से तनाव को कम किया जाता है। यह शरीर में एंडोर्फिन (हैप्पी हार्मोन) के स्तर को बढ़ाती है और कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) के स्तर को घटाती है।

लाफ्टर थेरेपी के फायदेः तनाव और चिंता में कमीः गर्भावस्था में मानसिक तनाव आम बात है। हंसी से दिमाग में सकारात्मक ऊर्जा आती है, जिससे मूड बेहतर होता है और चिंता का स्तर कम होता है।

नींद में सुधारः हंसी से शरीर रिलैक्स होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। यह गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी है।

इम्यूनिटी बूस्टरः लाफ्टर थेरेपी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है। इससे संक्रमण या मौसमी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

हार्मोनल बैलेंस में मददः हंसी हार्मोनल उतार और चढ़ाव को संतुलित करने में सहायक होती है, जिससे मूड स्विंग्स नियंत्रित रहते हैं।

डिलीवरी के लिए तैयारीः हंसने से फेफड़े और पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जिससे श्वसन और रक्त संचार बेहतर होता है। यह डिलीवरी के समय सहनशक्ति बढ़ाने में मदद करता है।

शिशु पर सकारात्मक असरः मां के हंसने से गर्भ में पल रहे शिशु तक मां की सकारात्मक भावनाएं पहुंचती हैं। खुश मां का असर शिशु के विकास पर भी बहुत सकारात्मक रूप से पड़ता है।

कैसे करें लाफ्टर थेरेपीः रोजाना सुबह 10-15 मिनट हंसने की आदत डालें। लाफ्टर योगा या ग्रुप एक्टिविटीज का हिस्सा बनें। कॉमेडी फिल्में या हल्के-फुल्के टीवी शो देखें। परिवार और दोस्तों के साथ हंसी-मजाक में वक्त बिताएं।

प्रस्तुतिः निकिता चौहान

तब जरूर करें डॉक्टर से कंसल्ट

लाफ्टर थेरेपी, प्रेगनेंसी के दौरान क्वालिटी और पूरी तरह सुरक्षित उपाय है। यह मां के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर शिशु के स्वस्थ विकास में मदद करती है। हालांकि अगर गर्भावस्था में किसी प्रकार की मेडिकल जटिलता हो तो डॉक्टर की सलाह लेकर ही इस थेरेपी को अपनाना चाहिए।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

गर्मी के मौसम में स्किन केयर गुलाब जल है बहुत कारगर

गुलाब जल का इस्तेमाल सुंदरता निखारने में सदियों से किया जा रहा है। शायद यही वजह है कि जब स्किन केयर की बात आती है तो गुलाब जल का नाम भी आता है। यह आपकी त्वचा और चेहरे को ठंडक प्रदान करता है, जबकि इसकी खुशबू आपको तरोताजा रखती है और मूड को बेहतर बनाती है। गर्मियों में गुलाब जल त्वचा के लिए एक नेचुरल टोनर, क्लींजर और हाइड्रेटर की तरह काम करता है। यह त्वचा को ठंडक, नमी और निखार देता है, साथ ही पीएच स्तर को संतुलित रखता है। यह टैनिंग, सनबर्न, मुंहासों और अतिरिक्त तेल को कम करने में बेहद प्रभावी है। इसे स्प्रे, टोनर या फेस पैक के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।

गुलाब जल स्प्रेः एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर गुलाब जल गर्मियों की तेज धूप से स्किन को सुरक्षित रखता है। गर्मियों में रूखी, बेजान चेहरे की त्वचा को तरोताजा रखने के लिए गुलाब जल को फेस मिस्ट के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसे एक बोतल में रखकर चेहरे पर स्प्रे कर सकती हैं। इसे पूरी तरह सोखने दें। अगर आप कील, मुंहासों और दाग-धब्बों से परेशान हैं तो आप रात को सोने से पहले कॉटन बॉल की मदद से गुलाब जल लगाएं और इसे रात भर लगा रहने दें। आप इसे चेहरे पर सीधे भी स्प्रे कर सकती हैं या गुलाब जल को आइस ट्रे में जमा लें और इन आइस क्यूब को चेहरे पर हल्के-हल्के हाथों से मसाज करें। इससे तपती धूप में ठंडक मिलेगी और चेहरे पर ग्लो दिखेगा। गर्मियों के दिनों में ऑयली स्किन पर पिंपल होना आम समस्या है। इससे निपटने के लिए एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में दो-तीन चम्मच गुलाब जल को मिलाकर बने पेस्ट को चेहरे पर लगा लें और इसे प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। पूरी तरह सूख जाने के बाद इसे ताजे ठंडे पानी से धो डालें।

डार्क सर्कलः गुलाब जल के उपयोग से आंखों के आस-पास डार्क सर्कल को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आप प्रभावित क्षेत्र में रूई की मदद से गुलाब जल लगाएं, जिससे त्वचा में नमी बढ़ेगी और डार्क सर्कल धीरे-धीरे कम होंगे। डार्क सर्कल के लिए गुलाब जल और ठंडे दूध को अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को कॉटन बॉल की मदद से आहिस्ता-आहिस्ता आंखों के नीचे लगाकर आधे घंटे बाद ताजे पानी से धो डालें। इसे सप्ताह में तीन बार आप यूज कर सकती हैं।

फेस पैकः पुदीने और गुलाब जल का पैक त्वचा को मुलायम बनाने में सहायक होता है। पुदीने के रस में एक चम्मच शहद और थोड़ा सा गुलाब जल मिलाकर बने पैक को चेहरे पर कुछ देर तक लगाने के बाद ताजे पानी से धो डालें।

'परिश्रम और प्रतिभा का उत्सव: मेधावी विद्यार्थियों को दिया गया भव्य सम्मान

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। 'प्रयास – सभी के लिए' संस्था के अध्यक्ष के डी गुप्ता की अध्यक्षता तथा संस्थापक अध्यक्ष मनमोहन गेड़ा के नेतृत्व में, माध्यमिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले के मेधावी छात्र–छात्राओं के सम्मान हेतु आयोजित भव्य समारोह 28 अप्रैल, मंगलवार को महारानी लक्ष्मी बाई इंटर कॉलेज, खण्डेराव गेट परिसर में अत्यंत गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विद्यालय निरीक्षक रती वर्मा की प्रेरणास्पद उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रबंधक प्रभात कुमार सक्सेना, महामंत्री नरोत्तम दास अग्रवाल तथा प्रधानाचार्य अरविंद ओझा और कार्यक्रम समन्वयक मिलन गुप्ता ने अपनी गरिमामयी सहभागिता से आयोजन को आलोकित किया।

शिक्षा के आकाश में अपनी प्रतिभा का उजास बिखेरने वाले 45 छात्र–छात्राओं को इस अवसर पर सम्मानित किया गया, जिनमें हाईस्कूल के 27 एवं इंटरमीडिएट के 18 मेधावी शामिल रहे। सभी प्रतिभाओं को मोमेंटो, सम्मान पत्र, एवं माल्यार्पण के साथ अभिनंदित किया गया, मानो उनके परिश्रम को सार्वजनिक गौरव का स्वर मिल गया हो। हाईस्कूल वर्ग में जिले के प्रथम दस स्थानों पर स्थान अर्जित करने वाले प्रतिभावान छात्र–छात्राओं—अभिषेक, प्रतीक

विश्वकर्मा, वैभव सिन्हा, लक्की चौधरी, सनी परिहार, गौरव दीक्षित, शिवम आर्य, कुणाल सिंह ठाकुर, अविज्ञा गुप्ता, अयशा रियान, बैबो रजौरिया, विक्रम, आदित्य कुमार, श्रेया द्विवेदी, अरुण प्रताप, अंकित सोनी, ऋषभ साहू, देव राजपूत, कृष्णा साहू, प्रिंसी पाल, प्राची साहू, कुंदन राजपूत, राजपाल, अंशी, साधना अहिरवार, शिवम तथा अमित राजपूत—ने अपनी असाधारण प्रतिभा और परिश्रम से पूरे जिले को गौरवान्वित किया। वहीं इंटरमीडिएट वर्ग में नंदिनी, सचिन्द, गौरव यादव, विशाल कुशवाहा, छवि पटेल, मानवेंद्र, कशिश, कार्तिक रावत, मोनू वर्मा, सोनम पटेल, गीतांजलि, मिनी साहू, कृष्णा, अंशिका साहू, अनामिका, अनुभव व्यास, खुशी पटेल तथा आयुष घोष ने अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों से सफलता के नए आयाम स्थापित किए। इस आयोजन के प्रायोजक एवं संयोजक महेन्द्र दीवान और गिरीश दीवान की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उनके समर्पित प्रयासों, सुव्यवस्थित योजना और सतत सक्रियता ने समारोह को भव्यता और उत्कृष्टता प्रदान की, जिसकी सर्वत्र सराहना की गई। संस्थापक अध्यक्ष मनमोहन गेड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह सम्मान केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि अनुशासन, श्रम और सतत प्रयास की उस साधना का प्रतीक है, जो व्यक्ति को शिखर तक ले जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहते हुए राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि रती वर्मा ने मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह सफलता उनके परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के विश्वास का प्रतिफल है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहने और उच्च आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा दी। अध्यक्ष के डी गुप्ता ने संस्था के सतत समर्पण को रेखांकित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि 'प्रयास – सभी के लिए' संस्था आगे भी शिक्षा एवं प्रतिभा संवर्धन के क्षेत्र में इसी प्रकार सार्थक पहल करती रहेगी। कार्यक्रम का संचालन बैदेही शरण सरावगी और प्रतीक अग्रवाल ने अपनी प्रभावपूर्ण एवं साहित्यिक अभिव्यक्ति से किया, जिसने पूरे आयोजन को भावपूर्ण लय प्रदान की। इस अवसर पर रामकुमार लोहिया, रामबाबू शर्मा, दिनेश चौरसिया, लखन पटवारी, राजेन्द्र शर्मा, अशोक पासी, संजय बाजपेई, अमित अग्रवाल,रवि पाण्डेय, नीरू पाण्डेय, प्रभुदयाल गंधी, ऋषि लोहिया, मनोज गुप्ता, अरूण खरे, मधु पासी, सतीश साहनी, , पवन नैयर, , एड विजय खरे,राधे गोविन्द गुप्ता, विनोद अग्रवाल यूको बैंक, सत्य प्रकाश दुबे प्रधानाचार्य, मनोज गुप्ता प्रवक्ता, प्रधानाचार्य डॉ.बालमुकुंद अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। अंत में संस्था के महामंत्री नवीन श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए इस आयोजन को सफल बनाने हेतु सभी के योगदान की सराहना की।

शिक्षकों की समस्याओं से जिला विद्यालय निरीक्षक को कराया अवगत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का जनपदीय नेतृत्व जिला मंत्री जितेंद्र सैनी के नेतृत्व में जिला विद्यालय निरीक्षक से जनपद के शिक्षकों की समस्याओं के संदर्भ में मिला जिसमें सरदार पटेल इंटर कॉलेज चिरगांव एवं सेंट जूड इंटर कॉलेज प्रेम नगर के शिक्षकों का अप्रैल माह का वेतन निर्गत करने का अनुरोध किया जिसको जिला विद्यालय निरीक्षक ने संगठन के अनुरोध को स्वीकार कर लिया तथा संगठन से अपेक्षा की ,की विद्यालयों में नामांकन बढ़ाए जाने समय से पठन–पाठन और विद्यालयों में आने–जाने के समय का ध्यान रखा जाए साथ ही अवकाश ग्रहण कर चुके अध्यापकों के जीपीएफ एवं पेंशन प्रकरण की समीक्षा की गई जिसमें विद्यालयों ने 7 अध्यापकों के जीपीएफ तीन अध्यापकों के पेंशन प्रकरण जिला विद्यालय शिक्षक कार्यालय नहीं भेजे हैं यह विद्यालयों के प्रधानाचार्य की घोर

लापरवाही है इसमें जिला विद्यालय निरीक्षक ने ऐसे प्रधानाचार्य को चेतावनी भरा पत्र जारी किए जाने का आश्वासन दिया कार्यालय में लंबित चयन वेतनमान प्रकरण को शीघ्र निस्तारित करने का आश्वासन दिया इस मौके पर मंडली अध्यक्ष मिलन गुप्ता प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र पटसरिया मंडली मंत्री शिशुपाल सिंह यादव जिला अध्यक्ष प्रधानाचार्य परिषद विनोद शर्मा जिला अध्यक्ष जगमोहन भौंड़ेले जिला कोषाध्यक्ष अर्चना नामदेव कमलेश यादव पवन सिंह अरुण गुप्ता शिवकुमार खरे कुलदीप वर्मा जगत मिश्रा सुधांशु दिक्षित सत्येंद्र यादव अनिल यादव रासिंम खान आदि शिक्षक नेता मौजूद रहे

...बिना भोजन के कैसे हो बरातियों का स्वागत

-ब्लैक मार्केटिंग से खुशियों के घर में गैस त्रासदी का संकट

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। घर में शादी हो और बरातियों का स्वागत बिना भोजन के हो तो कैसा लगेगा,जरा सोचिए युद्ध ईरान–इजरायल और अमेरिका के बीच हो रहा है और मुसीबतों का सामना शादी बरात के मौसम में घरातियों और बरातियों को करना पड़ रहा है। बमुश्किल अगर सिलेण्डर ब्लैक में मिल भी रहा है तो उसकी कीमत 25 हजार से 3 हजार रुपये के बीच है। एक तो गर्मी दूसरा महंगाई का तड़के ने खुशियों के माहौल को गमगीन बना दिया है।

जिलाधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर ग्राम अछरौड़ के ग्राम पंचायत सदस्य वार्ड नं. 6 के घासीराम निषाद ने कहा है कि शादी की सारी तैयारी हो चुकी है, पर ऐन वक्त पर बेटी का पिता भाई या परिजन रसोई गैस की व्यवस्था करनें में असमर्थ हो रहे हैं । हालत यह है कि गैस के लिए लोग दर–दर भटक रहे हैं,कोई इधर सिफारिश लगा रहा है,कोई उधर सिफारिश लगा रहा है और कोई घर घर जाकर गैस कॉपी मांगकर गैस की व्यवस्था करनें के लिये चक्कर लगा रहा है। जो गैस बुकिंग पहले 20 दिनों में होती थी अब उसे बढ़ाकर 25 दिनों की अवधि सुनिश्चित कर दी गयी है। किन्तु इतनी जटिल प्रक्रिया के चलते लोगों को जो सिलेण्डर बुकिंग करनें के तुरन्त बाद मिलता था अब वही सिलेण्डर बुकिंग के एक सप्ताह बाद मिल रहा है। और वहीं पर यदि कालाबजारी की बात करें तो वही सिलेण्डर लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर बिचौलिये एक सिलेंडर के 2500 से 3000 रुपये वसूल रहे हैं। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार अपनी खुशियों के बीच इस 'ब्लैक' की मार से टूट रहे हैं। निषाद ने डीएम से कहा कि आप बस एक आदेश जारी कर दें कि जिस घर में शादी है, वे अपनी गैस कॉपी के साथ 'शादी का कार्ड' दिखाकर गैस एजेंसी से तुरंत सिलेंडर प्राप्त कर सकें या जिस प्रकार की व्यवस्था बेहतर रूप से बनायी जा सकती है बनायें। बहन–बेटियों की शादी में प्रशासन का यह सहयोग किसी वरदान से कम नहीं होगा।

होमगार्ड परीक्षा : डीएम ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

सभी परीक्षा कक्षों के सीसीटीवी कैमरों को रखा जाए दुरुस्त

(यंग भारत न्यूज)

बाँदा। जिलाधिकारी अमित आसेरी ने 25 से 27 अप्रैल को होने वाली होमगार्ड परीक्षा की तैयारियों को लेकर परीक्षा केन्द्रों में जाकर स्थलीय निरीक्षण किया और कहा कि सभी परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरों को संचालित रखा जाए ताकि निष्पक्ष परीक्षायें कराई जा सके। निरीक्षण में उन्होंने कन्ट्रोल रूम में कैमरों से निगरानी किये जाने की व्यवस्था का जायजा लेते हुए परीक्षा तिथियों में इण्टरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था सुचारू रूप से रखने तथा परीक्षा केन्द्रों में समय से सामग्री उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये। डीएम ने होमगार्ड भर्ती परीक्षा केन्द्र डीएवी कॉलेज के स्ट्रांग रूम एवं कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण किया तथा सभी परीक्षा कक्षों के सीसीटीवी कैमरों को संचालित रखने के निर्देश दिये। उन्होंने परीक्षा केन्द्र में आवश्यक प्रकाश की व्यवस्था, फर्नीचर, सिटिंग प्लान, पेयजल, छाया तथा सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने परीक्षा की तिथियों में एम्बुलेन्स की व्यवस्था एवं प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था भी रखे जाने के निर्देश दिये। यह परीक्षा 25 से 27 अप्रैल, 2026 को दो पालियों में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली में 3 बजे से 5 बजे तक आयोजित की जायेगी। परीक्षा केन्द्र जनपद के विभिन्न विद्यालयों में आदर्श बजरंग इण्टर कॉलेज, राजीकय बालिका इण्टर कॉलेज, खानकाह इण्टर कॉलेज, इण्टरमीडिएट कॉलेज तिन्दवारा, नगर पालिका बालिका उ0मा0 विद्यालय, जनता इण्टर कॉलेज खुरहण्ड एवं रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज, बाँदा में आयोजित की जायेगी। उन्होंने सभी परीक्षा केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने परीक्षा तिथियों में समुचित ट्रैफिक की व्यवस्था किये जाने तथा विद्यालयों के बाहर वाहन पार्किंग की व्यवस्था भी रखने के निर्देश दिये है। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल, अपर जिलाधिकारी न्यायिक माया शंकर, अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज सहित प्रधानाचार्य डीएवी इण्टर कॉलेज एवं सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राइफल क्लब मैदान बचाने को चला हस्ताक्षर अभियान

-राइफल क्लब मैदान जमीन का टुकड़ा नहीं युवाओं का भविष्य है:नोमानी

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। राइफल क्लब मैदान को बचाने के लिये बुन्देलखण्ड इंसाफ सेना ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर सरकार और प्रशासन को चेताने का किया। इंसाफ सेना रा.अध्यक्ष एएस नोमानी ने कहा कि अगर खेल मैदान को खत्म किया गया तो इंसाफ सेना खुद सड़क पर उतरकर इंसाफ के लिये आवाज को बुलंद करेगी।

एएस नोमानी ने कहा कि ऐतिहासिक राइफल क्लब मैदान,यह केवल एक खाली जमीन का टुकड़ा नहीं है, बल्कि यह हमारे युवाओं का भविष्य है, खिलाड़ियों की नर्सरी है और शहर की खुली सांस है, लेकिन अफसोस के बात यह है कि हाल ही में यह खबर चिंताजनक है कि बांदा विकास प्राधिकरण इस ऐतिहासिक मैदान के एक हिस्से को व्यावसायिक उपयोग के लिए नीलाम करने या निजी प्रदर्शनी/व्यापारिक गतिविधियों के लिए देने की तैयारी कर रहा है। यह मैदान जो 1902 से पुलिस परेड और खेल के लिए उपयोग में है, उसे व्यावसायिक रूप से बर्बाद करने की कोशिश की जा रही है, बांदा शहर में अब यह एकमात्र प्रमुख खुला मैदान बचा है, जहाँ सुबह–शाम युवा दौड़ने, क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी और कबड्डी का अभ्यास करने आते हैं। हमारे हज़ारों युवाओं के लिए, जो भारतीय सेना (अग्निवीर), पुलिस और पैरामिलिट्री में जाने का सपना देखते हैं, यह मैदान उनकी शारीरिक परीक्षा की तैयारी का एकमात्र सहारा है। इस मैदान पर मेजर ध्यानचंद, सुरेश रैना, प्रवीण कुमार जैसे राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेल चुके हैं,खेल के मैदान का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए करना न केवल युवा पीढ़ी के साथ अन्याय है, बल्कि यह माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों का भी उल्लंघन है,बांदा विकास प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित नीलामी प्रक्रिया को तत्काल रोका जाए, मैदान में निजी प्रदर्शनी, मेला या व्यापारिक गतिविधियों की अनुमति न दी जाए। राइफल क्लब मैदान को 'मिनी स्टेडियम' के रूप में विकसित किया जाए और इसे पूरी तरह खिलाड़ियों को समर्पित किया जाए। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश चंद्र दुबे संयोजक बुंदेलखंड राज्य निर्माण संघर्ष समिति, भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष बलराम तिवारी, बुंदेलखंड आजाद सेना के अध्यक्ष प्रमोद आजाद, वरिष्ठ अधिवक्ता विनय निषाद तथा कई गणमान्य लोगों ने इस हस्ताक्षर अभियान में हस्ताक्षर कर विरोध में प्रतिभाग किया।

मिट्टी की उर्वरता और किसानों की आय बढ़ाने को लेकर योगी सरकार तत्पर

फसल अवशेष न जलाने की प्रदेश सरकार की विशेष अपील

-पराली जलाना अब पड़ेगा भारी, उल्लंघन करने वालों पर लगेगा जुर्माना

-पर्यावरण की रक्षा और किसान की उन्नति ही सरकार की प्राथमिकता

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रदूषण मुक्त उत्तर प्रदेश और समृद्ध किसान के विजन को धरातल पर उतारने के लिए बांदा जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आर्थिक उन्नति को प्राथमिकता देते हुए उप कृषि निदेशक ने जनपद के किसानों के लिए विशेष दिशा–निर्देश जारी किए हैं। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि पराली जलाना न केवल दंडनीय अपराध है बल्कि यह धरती की सेहत के लिए भी नुकसानदेह है।

उल्लंघन करने वालों पर हो सकती है कार्रवाई व जुर्माना

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पराली जलाना राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के नियमों का सीधा उल्लंघन है। सरकार के अनुसार अब पराली जलाने पर भारी जुर्माना वसूला जाएगा जिसमें 2 एकड़ से कम भूमि पर 5000 रुपये, 2 से 5 एकड़ की भूमि पर 10000 रुपये व 5 एकड़ से अधिक भूमि पर 30000 रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं जिला प्रशासन ने सभी किसान भाइयों से पुरजोर अपील की है कि वे स्वयं पराली न जलाएं और दूसरों को भी ऐसा करने से रोकें। यदि कोई भी व्यक्ति इन नियमों की अनदेखी करता पाया गया तो उसके विरुद्ध तत्काल कठोर दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। योगी सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है कि पर्यावरण की रक्षा के साथ–साथ किसान की उन्नति भी हो।

खेतों में पराली मिलाने से बढ़ेगी सोने जैसी चमक

बांदा के उप कृषि निदेशक डॉ अजय कुमार ने किसानों से अपील की है कि वे फसल अवशेषों और घास–फूस को जलाने के बजाय खेत की हार्वेस्टर से गहरी जुताई कर उन्हें मिट्टी में ही मिला दें। ऐसा करने से मिट्टी में कार्बनिक तत्वों और जो किसानों के मित्र कीट होते हैं व लाभकारी कृषि मित्र सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ती है। जिससे जमीन की उर्वरता प्राकृतिक रूप से बेहतर होती है। इन्होंने कहा कि इससे न केवल फसल की गुणवत्ता में सुधार होगा बल्कि खाद–उर्वरकों पर होने वाले खर्च में भी कमी आएगी। जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी।

भागवत कथा की निकाली भव्य शोभायात्रा

(यंग भारत न्यूज)

गुरसरांय। ग्राम अचौसा में श्रीमद्भगवत कथा की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बैंड बाजों एवं डी जे के साथ महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर शोभायात्रा में हिस्सा लिया। भागवत कथा का शुभारंभ करते हुए कथा व्यास स्वामी रामकृष्ण बाल व्यास ने कहा कि जब कई जन्मों के पुण्यों का उदय होता है तभी श्रीमद्भागवत की कथा सुनने का अवसर प्राप्त होता है।यह देव दुर्लभ कथा है,जो स्वर्ग में भी प्राप्त नहीं होती है।जब देवताओं को कथा सुनना होता है ,तो उन्हें भी पृथ्वी पर अवतरित होना पड़ता है।

सत्संग भगवान की कृपा एवं पूर्व जन्म के पुण्यों के प्रभाव से प्राप्त होता है।कथा की आरती परीक्षित राजकुमारी देवी राकेश पटेल ने की। इस मौके पर शांति आश्रम गौरैया मंदिर अचौसा के महंत भज्जू महाराज , दीपेंद्र पटेल, रूपेन्द्र पटेल,सुरेन्द्र पटेल,सुरेन्द्र पटेल दाऊ,नरेंद्र पटेल, राजू पटेल आदि उपस्थित रहे।

शोक जताया

(यंग भारत न्यूज)

गुरसरांय। माँ शारदा संगीत विद्यालय में एक शोक सभा संगीतगुरु पं परशुराम पाठक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें भगवन्त पुरा निवासी ढोलक वादक मनमोहन रायकवार के पिता कथूले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। शोक सभा मे भगवत नारायण समाधिया,देवेंद्र घोष,सरजू शरण पाठक,विवेक बरसै या,धर्मेंद्र कौशिक,प्रमोद गोस्वामी, सोनू पटेल, अंकुल अंकित पटेल,रानू तिवारी ,हनी नामदेव आदि उपस्थित रहे।

कानाखेड़ा में एक सैकड़ा से ज्यादा ग्रामीणों ने पावर हाउस पहुंचकर किया विरोध प्रदर्शन

पैलानी/बांदा। पैलानी तहसील क्षेत्र के अंतर्गत कानाखेड़ा पावर हाउस की सालों से खराब विद्युत मशीनों की वजह से काना खेड़ा फीडर से ग्रामीण बहुत ज्यादा परेशान विद्युत विभाग के जे ई; और एसडीओ ग्रामीणों का नहीं उठाते फोन काना खेड़ा के एक सैकड़ा से ज्यादा ग्रामीणों ने पावर हाउस पहुंचकर प्रदर्शन किया बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विभागीय अधिकारियों से कानाखेड़ा फीडर की जर्जर मशीनों को तुरंत बदलने व फीडर को अलग करने की मांग किया जिससे कि विद्युत आपूर्ति बहाल हो और बेसमय कट की समस्या न हो । कानाखेड़ा के ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि हमारे यहां का विद्युत फीडर महज शोपीश बनकर रह गया । पिछले दो सालों से पावर हाउस की मशीन जर्जर हालत में हैं आए दिन खराब हो जाती हैं जिससे हम लोग इस भीषण गर्मी में परेशान रहते हैं ।कई बार विभाग के जे ई और एसडीओ साहब को लिखित में दिया लेकिन आज तक मशीनों को नहीं बदला गया ।अगर बिजली विभाग के अधिकारियों ने जल्द ये काम नहीं कराया तो ग्रामवासी जिलाधिकारी बांदा के यहां धरना प्रदर्शन कर उनको अवगत कराएंगे इस दौरान पंकज यादव (पूर्व प्रधान) रमेश सिंह गौतम;रामप्रसाद कुशवाहा; हाकिम चौहान; रामनरेश साहू;दीपक कच्छवाह; ज्ञान चौहान; कल्लू चौहान;भूरा साहू; सहित सैकड़ों कानाखेड़ा निवासी मौजूद रहे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718